दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

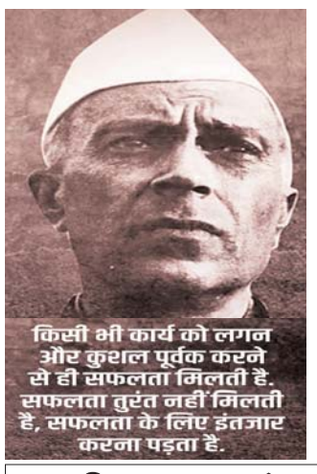
RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-249 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 15 नवम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना



रोमांचक महामुकाबले में पाकिस्तान पस्त, भारत ने 9वीं बार जीता अंडर-19 एशिया कप का खिताब



अल अमेरत (ए)। एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराया। पाकिस्तान से मिले 338 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने मैच की आखिरी गेंद पर 9 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। आर्यवीर सहवाग और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने मिलकर पहले विकेट के लिए 17.4 ओवर में 95 रन जोड़े। आर्यवीर 61 गेंदों का सामना करने के बाद 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके लगाए। वहीं, लक्ष्य 101 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 80 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वीके विनीत अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 24 रन बनाकर आउट हुए।अर्जुन राजपूत 16 रन ही बना सके, जबकि यशवर्धन चौहान 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ 12 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए। आर्यन सावसानी भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और 9 रन बनाकर आउट हुए। काव्या पटेल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। हालांकि, 9वें विकेट के लिए मनाल चौहान और मोहित उल्वा ने 35 गेंदों में 57 रनों की साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा। मनाल पारी के 48वें ओवर में 32 गेंदों में 47 रन बनाने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी इस महत्वपूर्ण पारी में 3 चौके और तीन छक्के लगाए।मनाल के आउट होने के बावजूद, मोहित क्रीज पर खड़े रहे और 26 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाकर लौटे। मोहित ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 3 छक्के लगाए। भारतीय टीम को आखिरी गेंद पर 3 रनों की जरूरत थी, लेकिन मोहित ने शानदार चौका लगाकर टीम को यादगार जीत और खिताब दिलाया। पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजी में रिजवानुल्लाह ने 53 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि नकाब शफीक ने 2 विकेट झटके।इससे पहले, पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 337 रन बनाए। पाकिस्तान अंडर-19 टीम की शुरुआत बेहतरीन रही।

नेहरू जयंती पर पीएम मोदी, राहुल गांधी और खरगे ने दी श्रद्धांजलि, आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान को किया याद

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नेताओं ने सोशल मीडिया के जरिए नेहरू के विचारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट साझा कर पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी जयंती पर नमन किया। उन्होंने अपने संदेश में पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।वहीं, राहुल गांधी ने पंडित नेहरू को हिंद का जवाहर संबोधित करते हुए उनके विचारों और देश के प्रति दृष्टिकोण को याद किया। उन्होंने लिखा कि नेहरू के लिए आजादी केवल मंजिल नहीं, बल्कि देश की नई यात्रा की शुरुआत थी। उनके विचारों में लोकतंत्र, समानता, विविधता और नागरिकों की भागीदारी को विशेष महत्व प्राप्त था। राहुल गांधी ने आगे कहा कि आधुनिक, वैज्ञानिक, प्रगतिशील और आत्मविश्वासी भारत का नेहरू का सपना आज भी प्रेरणा देता है। उन्होंने इस सपने को साकार करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को नेहरू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

जनजातीय गौरव पर विशेष

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं : डॉ.मोहन यादव



भोपाल। 15 नवंबर का दिन न केवल जनजातीय समाज के लिए, बल्कि समूचे भारत वर्ष के लिए आत्म-स्वाभिमान, अदम्य साहस और देशभक्ति के स्मरण का दिवस है। आज धरती आबा, उलगुलान के प्रणेता भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती है। इस पावन अवसर पर मैं मध्यप्रदेश की समस्त 8 करोड़ जनता की ओर से जनजातीय नायकों के चरणों में नमन करता हूँ। भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्होंने बेहद कम आयु में अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ जो उलगुलान (क्रांति) छेड़ा, उसने देश की आज़ादी की नींव को मजबूत करने का काम किया। जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी हम सभी को राष्ट्रसेवा और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है। मध्यप्रदेश जनजातीय संस्कृति और गौरव का केंद्र रहा है, जो देश का सबसे बड़ा जनजातीय आबादी वाला राज्य है। हमारे लिए भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाना केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन को बेहतर बनाने का एक राष्ट्रीय संकल्प है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की ऐतिहासिक शुरुआत की थी। मध्यप्रदेश को यह सौभाग्य मिला था कि इस ऐतिहासिक निर्णय का साक्षी और ध्वजवाहक हमारा राज्य बना। हमारी सरकार का स्पष्ट मानना है कि जब तक हमारा जनजातीय समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक मध्यप्रदेश के पूर्ण विकास की कल्पना अधूरी है। इसी दिशा में राज्य सरकार लगातार कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है। हमने राज्य में पेसा कानून लागू कर जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन से जुड़े निर्णयों में आत्मनिर्भर और अधिकार संपन्न बनाया है। अब गाँव की ग्राम सभाओं को ही अपने संसाधन प्रबंधित करने का पूरा अधिकार है।जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाकर लाखों जनजातीय भाई-बहनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाकर उपचारित भी किया गया है। भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना जैसी पहलों के माध्यम से जनजातीय युवाओं को अपने पैर पर खड़े होने के लिए आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। टंट्या भील, भीमा नायक, राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह और रानी दुर्गावती जैसी महान हस्तियों के बलिदान और योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए उनके स्मारकों और संग्रहालयों का निर्माण करसांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण किया है।भगवान बिरसा मुंडा जी ने जिस समृद्ध, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज का सपना देखा था, उसे साकार करना ही हमारी सरकार का परम उद्देश्य है। आइए, इस जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जनजातीय समाज के गौरव, उनकी सांस्कृतिक विरासत और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

जय हिंद! जय मध्यप्रदेश!जय जोहार!

असम में ट्रक के गुप्त केबिन से 20 किलो मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त, एक गिरफ्तार



नई दिल्ली, (ए)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने असम के कछार जिले में एक टिपर ट्रक से 20 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की हैं। नशीले पदार्थों को ट्रक के दाहिने हिस्से के पैनल में विशेष रूप से बनाई गई गुप्त जगह में छिपाया गया था। इस मामले में ट्रक में सवार एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।वित्त मंत्रालय के अनुसार, डीआरआई ने असम राइफल्स की 38वीं बटालियन के जवानों के साथ संयुक्त अभियान में 12 नवंबर को बोरखोला के पास खुफिया सूचना के आधार पर टाटा टिपर ट्रक को रोका। ट्रक की विस्तृत जांच के दौरान एक मैकेनिक की मदद से उसके दाहिने साइड पैनल के ऊपरी भीतरी हिस्से में बनाई गई गुप्त जगह का पता चला। कटिंग और वेल्डिंग के निशान को सीमेंट और पेंट से छिपाया गया था।गुप्त जगह खोलने पर गुलाबी-नारंगी रंग की गोलियों के 32 पैकेट मिले। इनमें 17 पैकेट एक-एक किलोग्राम और 15 पैकेट 200-200 ग्राम के थे। एनडीपीएस फील्ड डिटेक्शन किट से किए गए शुरुआती परीक्षण में नमूनों में एम्फेटामाइन की मौजूदगी के संकेत मिले।

आम आदमी को झटके पे झटका, दूध के बाद अब अमूल ने दही और लस्सी के भी बढ़ाए दाम



नई दिल्ली(ए)। महंगाई से परेशान आम लोगों को अमूल ने एक और झटका दिया है। दूध की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अब कंपनी ने दही और लस्सी के दाम भी बढ़ा दिए हैं। अमूल की ओर से जारी नई कीमतें 14 नवंबर से लागू हो गई हैं। इस फैसले का सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। अब एक किलो अमूल मस्ती दही खरीदने के लिए ग्राहकों को पहले के मुकाबले 5 रुपये ज्यादा खर्च करने होंगे।

दही के पैकेट पर भी बढ़े दाम, चेक करें नई रेट लिस्ट

अमूल ने अपने अलग-अलग पैक वाले दही की कीमतों में इजाफा किया है। कंपनी के मुताबिक, एक किलो अमूल मस्ती दही का पैकेट अब 80 रुपये की जगह 85 रुपये में मिलेगा। वहीं, 380 ग्राम वाले पैकेट की कीमत 35 रुपये से बढ़ाकर 37 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा लस्सी के दामों में भी बढ़ोतरी की गई है। नई दरें 14 नवंबर से पूरे प्रभावी रूप से लागू कर दी गई हैं।

पहले दूध की कीमतों में भी हुई थी बड़ी बढ़ोतरी

गौरतलब है कि अमूल ने हाल ही में दूध की कीमतों में भी 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी। इसे पिछले 15 वर्षों में प्रति लीटर के हिसाब से सबसे बड़ी बढ़ोतरी बताया गया था। इस बदलाव के बाद अमूल ताजा टोंड दूध की कीमत 57 रुपये से बढ़कर 59 रुपये प्रति लीटर हो गई, जबकि अमूल गोल्ड अब 70 रुपये के बजाय 74 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा है।

मेकेदातु बांध पर कर्नाटक-तमिलनाडु में फिर टकराव, डीके शिवकुमार बोले- यह हमारे राज्य का अधिकार

बेंगलुरु(आरएनएस)। कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच राजनीतिक विवाद एक बार फिर गहरा गया है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने परियोजना का विरोध करने वाले तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष मणिकम टैगोर को जवाब देते हुए साफ कहा कि कर्नाटक को अपने क्षेत्र में यह परियोजना बनाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के नेताओं की आलोचना से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। मणिकम टैगोर द्वारा मेकेदातु में बांध निर्माण को लेकर शिवकुमार के बयान की आलोचना किए जाने पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी।

प्रदेश में बढ़ेगी ठंड, रात के तापमान में 2 डिग्री तक गिरावट के आसार

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में सर्दी का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी का असर प्रदेश के मौसम पर भी दिखाई देने लगा है। शुक्रवार रात भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 20 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में रात के तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट आ सकती है। खासकर 15 नवंबर के बाद उत्तरी हवाओं के प्रभाव से ठंड का असर बढ़ने की संभावना है। प्रदेश में बीती रात कटनी का करौंदी सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहडोल के कल्याणपुर में पारा 11.1 डिग्री और शाजापुर के गिरवर में 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इंदौर और दमोह में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री, छिंदवाड़ा में 11.8 डिग्री और भोपाल में 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।



गुरुकुल निदेशक स्वामी ऋतस्पति नैष्ठिक मारीशस रवाना

रेलवे स्टेशन पर ब्रम्हचारियों,नागरिकों ने पुष्पमाला पहनाकर दी विदाई

नर्मदापुरम। गुरूकुल निदेशक स्वामी ऋतस्पति नैष्ठिक महामौरीशस के लिए रवाना हुए। रेलवे स्टेशन पर ब्रम्हचारियों, नागरिकों ने पुष्पमाला पहनाकर कर स्वस्ति वाचन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उन्हें विदा किया।स्वामी जी महा मौरिस देश के वैदिक सनातन धर्म के अनुयायी आर्य कुमार जगेसर ने वैदिक धर्म के प्रचार प्रसार के लिए आमंत्रित किया है। मारीशस में स्थित मोसेलमा उपनगर में आर्य समाज का शताब्दी समारोह आयोजित है, जिसमें वैदिक महायज्ञ होगा। आर्य समाज के नवनिर्मित भवन का भव्य उद्घाटन पूज्य स्वामीजी के करकमलों से किया जाएगा। वेदों की महिमा और वेदों पर प्रवचन भी स्वामी जी द्वारा दिए जाएंगे।

सेंटपियेर के समीप स्थित रिपाई ग्राम में भूरिन्द्रनाथ ने आर्य समाज भवन में वेद प्रचार किया के लिए स्वामी जी को आमंत्रित किया है। मौरीसस की राजधानी पोर्ट लुईस नगर में स्थित आर्यससभा के पदाधिकारी कार्यक्रम में भी स्वामीजी हिस्सा लेंगे। मॉरीशस में लगभग 600 छ: सौ आर्य समाज की और वैदिक धर्म प्रचार की संस्थाएँ हैं। वेद प्रचारिणी सभा है। श्री स्वामीजी का धर्म प्रचार कार्यक्रम 16 नवंबर से 30 नवंबर तक रहेगा। स्वामी जी के साथ श्रीस्वामी सूर्यवेश एवं ब्रम्हचारी प्रणव आर्य भी धर्म के प्रचार-प्रसार में सहयोग देंगे।





शेख हसीना की वापसी पर भारत की दो कथित शर्तें! बांग्लादेशी सेना को लाने की जिम्मेदारी देने की चर्चा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की स्वदेश वापसी को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी होने की खबरें हैं। इस बीच बीबीसी बांग्ला की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने उनकी वापसी को लेकर दो महत्वपूर्ण शर्तें रखी हैं। इनमें बांग्लादेशी सेना के जरिए उनकी सुरक्षित वापसी और निष्पक्ष कानूनी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग शामिल बताई गई है। हालांकि, भारत सरकार ने इन कथित शर्तों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।



पहली शर्त : बांग्लादेशी सेना संभाले वापसी की जिम्मेदारी

बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, भारत चाहता है कि शेख हसीना को वापस ले जाने की जिम्मेदारी बांग्लादेश की सेना उठाए। इसके लिए बांग्लादेश अपनी सैन्य उड़ान दिल्ली भेज सकता है या सेना के माध्यम से उन्हें सीमा तक पहुंचाने की व्यवस्था कर सकता है।झगौरतलब है कि 5 अगस्त 2024 को सत्ता छोड़ने के बाद शेख हसीना सैन्य विमान से भारत पहुंची थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत उनकी वापसी की प्रक्रिया को भी सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से पूरा करने का इच्छुक है।रिपोर्ट में भारत की दूसरी कथित शर्त शेख हसीना को कानूनी सुरक्षा देने से संबंधित बताई गई है।

एसटीआर अंतर्गत विस्थापित ग्रामों से जुड़े मामलों में आगामी 90 दिनों में अधिकार अभिलेख एवं प्रकाशन की कार्यवाही पूर्ण कराएं : कलेक्टर आशीष वशिष्ठ

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर की राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा



नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में राजस्व संबंधी प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण और लंबित मामलों की संख्या कम करने के लिए सभी राजस्व अधिकारी अभियान चलाकर कार्य करें। सीमांकन, नामांतरण एवं अविवादित बंटवारे सहित सभी राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने शनिवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में उन्होंने वन व्यवस्थापन, भू-अर्जन, राजस्व न्यायालयों, नक्शा पायलट प्रोजेक्ट एवं साइबर तहसील सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने वन एवं राजस्व विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वन व्यवस्थापन से जुड़े 32 मामलों में, जिनमें एसटीआर अंतर्गत विस्थापित ग्राम के अधिकार अभिलेख तैयार किए जाने हैं, प्राथमिकता के आधार पर आगामी तीन माह में कार्यवाही पूर्ण कर उनका प्रकाशन सुनिश्चित किया जाए। इसी प्रकार वन ग्राम को राजस्व ग्राम में समपरिवर्तन किए जाने से संबंधित लंबित मामलों में भी सभी संबंधित अधिकारी शीघ्र कार्यवाही कर निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में सीमांकन के सभी लंबित मामलों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुखतवा में होगा जिला स्तरीय समारोह

नर्मदापुरम (निप्र)। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर 15 नवंबर 2026 को जिले में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम विकासखंड केसला के शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुखतवा में सुबह 10 बजे से आयोजित होगा। जिला प्रशासन एवं जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में जनजातीय गौरव, संस्कृति, परंपराओं एवं भगवान बिरसा मुंडा के योगदान का स्मरण किया जाएगा। भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण संघर्ष किया।

K K

राजधानी समाचार



रविवार 15 नवम्बर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

संगमरमर की नगरी जबलपुर अब देश में स्वच्छता के लिए भी पहचानी जाएगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2025-26 में जबलपुर को स्वच्छता के लिए देश में दूसरा स्थान मिलने पर स्वच्छता कर्मियों को किया सम्मानित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संगमरमर की नगरी जबलपुर अब देश में स्वच्छता के लिए भी पहचानी जाएगी। जबलपुर से दूसरे शहरों को भी स्वच्छता की सीख मिलेगी। हमारे स्वच्छताकर्मियों के परिश्रम के परिणामस्वरूप ही मध्यप्रदेश को यह उपलब्धि मिली है। सनातन संस्कृति में दीपावली से पहले स्वच्छता को विशेष महत्व दिया गया है। दीपावली पर माँ लक्ष्मी के साथ सफाई की प्रतीक झाड़ू का भी पूजन किया जाता है। शीतला माता स्वच्छता की देवी मानी जाती हैं। हमारे देवी-देवता भी समाज को स्वच्छता के लिए प्रेरित करते हैं। जबलपुर के सभी भाई-बहनों और सफाई मित्रों को बधाई देता हूं। जबलपुर को देश का दूसरा स्वच्छ शहर बनाने में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग रहा है। आज समय है कि हम सभी मिलकर जबलपुर को देश का नंबर-1 शहर बनाने का संकल्प लें। अलग-अलग श्रेणियों में ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, देपालपुर, बुधनी, सागर, देवास सहित मध्यप्रदेश के शहरों को 27 में से 9 पुरस्कार मिले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को जबलपुर के मानस भवन में "सफाई मित्र सम्मान" समारोह में ये विचार व्यक्त किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम



का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सम्मिलित सफाई मित्रों पर पुष्प-वर्षा कर स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता कर्मियों के प्रयासों को स्वच्छ और सुंदर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण बताते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सफाई मित्रों की सुरक्षा के लिए "नमस्ते योजना" की शुरुआत की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर ने स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रत्येक पैरामीटर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। जबलपुर नगर निगम को 182 सीएनजी व्हीकल मिलेंगे। गार्बेज कलेक्शन स्टेशन और इंटीग्रेडेट सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना के लिए 75 करोड़ रुपये की राशि राज्य और केंद्र सरकार की ओर से दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत का संकल्प लिया है। उन्होंने देशभर में स्वच्छता के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की शुरुआत की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सफाई मित्रों की सुरक्षा के लिए नमस्ते योजना की शुरुआत की है, जिसमें सुरक्षा उपकरण और स्वास्थ्य परीक्षण जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सफाईकर्मियों को भी आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने सभी सफाईकर्मियों से अपने आयुष्मान कार्ड बनवाने का आह्वान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा स्वच्छता संरक्षण के बाद स्वच्छ शहर घोषित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर पर माँ नर्मदा की विशेष कृपा है। राज्य सरकार ने जबलपुर-भोपाल-इंदौर इकोनॉमिक कॉरिडोर की योजना बनाई है। आरजीपीवी के तीन हिस्सों में एक विश्वविद्यालय जबलपुर में भी स्थापित होने वाला है। महाकौशल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। आने वाला समय जबलपुर का होगा, कई बड़ी सौगातें महाकौशल क्षेत्र को मिलेंगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जबलपुर सहित मध्यप्रदेश के सभी शहर आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 15 नवंबर को धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती है।

वन विभाग के SDO के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर कार्रवाई, दस्तावेज और संपत्ति की जांच



भोपाल (आरएनएस)। भोपाल लोकायुक्त भोपाल की टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में वन विभाग के SDO संजीव कुमार शर्मा के ठिकानों पर आज सुबह छापेमार कार्रवाई की है। संजीव शर्मा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पचमढ़ी में SDO फॉरेस्ट के पद पर पदस्थ हैं। लोकायुक्त की टीम ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत और उससे जुड़े तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई की है। छापे के दौरान अधिकारियों की टीम घर में मौजूद दस्तावेजों, संपत्ति से संबंधित रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय जानकारियों की जांच कर रही है। इसके साथ ही संजीव शर्मा से जुड़े अन्य ठिकानों पर भी लोकायुक्त की टीमें तलाशी ले रही हैं। कार्रवाई के दौरान अब तक कितनी चल-अचल संपत्ति मिली है, इसका आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, सभी ठिकानों पर तलाशी और दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद ही संपत्ति का विस्तृत ब्योरा सामने आ सकेगा। फिलहाल कार्रवाई जारी है।

भोपाल में डेंगू के 206 और मलेरिया के 13 मरीज, 4,208 घरों में मिला मच्छरों का लार्वा, 89 हजार से ज्यादा घरों का सर्वे

भोपाल (आरएनएस)। शहर में डेंगू और मलेरिया के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम ने रोकथाम के लिए संयुक्त अभियान तेज कर दिया है। वर्ष 2026 में अब तक जिले में डेंगू के 206 और मलेरिया के 13 पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं। मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान करने के लिए घर-घर सर्वे किया जा रहा है। सितंबर से अब तक 89 हजार 702 घरों की जांच में 4 हजार 208 घरों में मच्छरों का लार्वा मिला है। वहीं, 6 लाख 38 हजार 591 कंटेनरों की जांच के दौरान 5,023 में लार्वा पाया गया, जिसे टीमों ने मौके पर ही नष्ट किया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, सितंबर और अक्टूबर में डेंगू के मामले बढ़ने की आशंका रहती है। बारिश के बाद जमा पानी मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाता है। इसी को देखते हुए जिला मलेरिया कार्यालय और नगर निगम की टीमें घर-घर पहुंचकर लार्वा सर्वे, विनष्टीकरण, फॉगिंग और लार्विसाइड का छिड़काव कर रही हैं। नागरिकों को भी पानी जमा नहीं होने देने और नियमित सफाई के लिए जागरूक किया जा रहा है।

पकड़े जाने के डर से युवक-युवती ने लगाई छलांग

भोपाल के होटल के टीन शेड पर 50 फीट तक भागे; हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने पीटा



भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित हिमतारा होटल में पकड़े जाने के डर से युवक-युवती ने खिड़की से छलांग लगा दी। दोनों होटल के कमरे से निकलने के बजाय खिड़की के रास्ते भागने लगे। नीचे बने टीन शेड पर कूदने के बाद उन्होंने भागने की कोशिश की। करीब 50 फीट तक आगे जाने के बाद रास्ता खत्म हो गया। आगे गिरने का खतरा देख दोनों वापस लौट आए। इसी दौरान हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने युवक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना 12 नवंबर की शाम की है, जबकि इसका वीडियो 14 नवंबर को सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को होटल में युवक-युवती के होने की सूचना मिली थी। कार्यकर्ता जब कमरे के बाहर पहुंचे तो अंदर मौजूद युवक और युवती घबरा गए। बाहर निकलने का रास्ता बंद होता देख दोनों ने खिड़की से भागने का फैसला किया। इसके बाद टीन शेड पर कूदकर भागने लगे। हालांकि, कुछ दूरी पर रास्ता खत्म होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। मामले में सलमान खान नाम के युवक को पुलिस के हवाले किया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया। जांच में यह बात भी सामने आई है कि युवक ने युवती की मुस्लिम नाम से फर्जी आईडी तैयार कराई थी। इसी आईडी का इस्तेमाल कर होटल में कमरा बुक किया गया था। पुलिस अब जांच कर रही है कि युवती के नाम से फर्जी आईडी किसने और कैसे तैयार की।

भोपाल में जुटे कांग्रेसी

नकुलनाथ बोले- कांग्रेस का हर कार्यकर्ता जरूरी, समर्थकों ने लगाए सीएम बनाने के नारे

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में नकुलनाथ के दीपावली मिलन समारोह में प्रदेशभर से हजारों कांग्रेसी जुटे। समर्थकों ने एयरपोर्ट पर उन्हें भावी मुख्यमंत्री बताते हुए नारे लगाए। नकुलनाथ ने कहा कि उनका पहला प्यार छिंदवाड़ा है और मुख्यमंत्री पद का फैसला पार्टी करेगी। उन्होंने कांग्रेस को एकजुट बताते हुए कहा कि हर कार्यकर्ता जरूरी है।भोपाल में शनिवार को पूर्व सांसद नकुलनाथ ने दीपावली मिलन समारोह के बहाने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच अपनी सक्रियता दिखाई। कमलनाथ के सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में दीपावली मिलन, पंडित जवाहरलाल नेहरू जयंती और कमलनाथ के जन्मदिन के उपलक्ष्य में प्रदेशभर से कांग्रेसी जुटे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। एयरपोर्ट पर नकुलनाथ के स्वागत के दौरान समर्थकों ने हमारा सीएम कैसा हो, नकुल भैया जैसा हो के नारे भी लगाए। नकुलनाथ ने रोशनपुरा पहुंचकर पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ सोनिया गांधी की पुस्तक का अनावरण किया।

मध्यप्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाने की कार्ययोजनाओं पर तेजी से काम शुरू



भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मध्यप्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाने की कार्ययोजनाओं पर तेजी से काम शुरू हो गया है। वर्तमान में वार्षिक उत्पादन 22.6 मिलियन टन के साथ प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 700 ग्राम है जो राष्ट्रीय औसत 485 ग्राम प्रतिदिन प्रति व्यक्ति से ज्यादा है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिये पशुपालक किसानों और पशुपालन में रूचि रखने वाले हितग्राहियों को पशुधन समृद्ध बनाने वाली योजनाओं का लाभ लेने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। गौवंश बढ़ाने वाली देश की सबसे महत्वाकांक्षी और नवाचारी योजना डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना पशुपालकों के लिये लाभदायी सिद्ध हो रही है। यह योजना सभी जिलों के लिए है।

क्या है योजना?

योजना में अधिकतम 25 दुधारू पशुओं की इकाई स्थापित की जा सकेगी। एक इकाई में सभी गौवंश अथवा सभी भैंसवंश हो सकेंगे। एक इकाई में रखी जाने वाली सभी गायों/भैंस एक ही प्रजाति की होगी। योजना में गौवंशीय नस्लों में गिर, साहीवाल, थारपाकर, रेड सिंधी तथा संकर गायों में केवल संकर हॉलस्टीन फ्रीजियन, जर्सी गौवंशीय मान्य होगी। भैंसवंशीय मुर्रा, सूरती, मेहसाना तथा भदावरी नस्लें ही मान्य होगी। एक इकाई की अधिकतम राशि रु. 42.00 लाख है। एक हितग्राही को एक या एक से अधिक इकाइयों की पात्रता है। अधिकतम 08 इकाईयां, 200 दुधारू पशु लेने की पात्रता है। एक से अधिक इकाईयां लेने की स्थिति में वह उन्नत गाय/संकर गाय या भैंस की इकाई अपनी सुविधा अनुसार चयन कर सकेगा। यदि हितग्राही 03 ईकाइयां लेता है तो वह अपनी इच्छा अनुसार एक भैंस की इकाई, एक संकर गाय की इकाई तथा एक उन्नत देशी गौवंश की ईकाई भी ले सकेगा। यदि हितग्राही एक बार योजना का लाभ लेकर ऋण चुका देता है तो शद्द अगली बार भी योजना का लाभ ले सकेगा। यह सुविधा अधिकतम 08 ईकाईयों तक दी जा सकेगी। एक ऋण व दूसरे ऋण के बीच में कम से कम 2 वर्ष का अंतर जरूरी है। हितग्राहियों को आनलाईन पोर्टल के माध्यम से आवेदन देना होगा।

एमपी महिला कांग्रेस का प्रदर्शनः बौरासी बोलीं-राहुल गांधी का फोन टैप क्यों? लोकतंत्र में सवाल पूछना अपराध नहीं



भोपाल (ए.)। राहुल गांधी के फोन टैपिंग आरोपों को लेकर भोपाल में महिला कांग्रेस ने पीसीसी के बाहर प्रदर्शन किया। रीना बौरासी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने फोन टैपिंग बंद करने और केंद्र सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या विपक्ष का सरकार से सवाल पूछना अब अपराध हो गया है फोन टैपिंग बंद करो, जवाबदेही दो... इन नारों के साथ शनिवार को भोपाल में महिला कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फोन टैपिंग करवाने के आरोप लगाने और वन-टू-वन बहस की चुनौती देने के बाद मध्य प्रदेश की राजनीति में भी इस मुद्दे पर विरोध शुरू हो गया है। भोपाल स्थित इंदिरा भवन यानी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर केंद्र सरकार से जवाब मांगा।

बाल दिवस पर इटरनिटी स्कूल के बच्चों ने किया मानव संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण, संस्कृति और इतिहास से हुए रूबरू



भोपाल (संदीप पंडा)। बाल दिवस के अवसर पर नीलबड़ स्थित इटरनिटी स्कूल ऑफ एक्सीलेंस द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक विशेष शैक्षणिक पिकनिक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों को श्यामला हिल्स स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान बच्चों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आदिवासी जीवनशैली, पारंपरिक रहन-सहन और मानव सभ्यता के विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। करीब 200 एकड़ क्षेत्र में फैला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय देश के प्रमुख मानवविज्ञान संग्रहालयों में शामिल है। यहां भारत के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में अलग-अलग आदिवासी समुदायों के पारंपरिक आवास, समुद्र तटीय क्षेत्रों के लोगों की जीवनशैली, राजस्थान सहित रेगिस्तानी इलाकों की झोपड़ियां और ग्रामीण परिवेश में इस्तेमाल होने वाले पारंपरिक औजार एवं तकनीकों को देखकर बच्चे काफी उत्साहित नजर आए। स्कूल की अध्यापिकाओं ने भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न प्रदर्शनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले समुदायों की वेशभूषा, खान-पान, आवास, परंपराएं और जीवन जीने के तरीके किस प्रकार एक-दूसरे से अलग होते हुए भी भारतीय संस्कृति की विविधता को दर्शाते हैं। इस शैक्षणिक भ्रमण ने बच्चों को कक्षा की पढ़ाई से आगे बढ़कर प्रत्यक्ष रूप से इतिहास, संस्कृति और सामाजिक जीवन को समझने का अवसर दिया। बाल दिवस के इस विशेष आयोजन में बच्चों ने न केवल नई जानकारियां हासिल कीं, बल्कि अपने सहपाठियों और शिक्षिकाओं के साथ यादगार पल भी बिताए। स्कूल प्रबंधन की इस पहल से विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे भ्रमण के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और जिज्ञासा साफ झलकती रही। यह आयोजन उनके लिए मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान और अनुभव से भरपूर एक यादगार बाल दिवस साबित हुआ।

मैहर पुलिस ने लूट एवं वाहन चोरी की वारदातों में संलिप्त अंतरराज्यीय शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार

फर्जी पहचान एवं किराये पर वाहन बुक कर चालकों को बनाता था निशाना सुनसान स्थानों पर साथियों के साथ देता था वारदातों को अंजाम

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में संगठित अपराध, लूट एवं वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मैहर पुलिस ने लूट एवं वाहन चोरी की गंभीर वारदातों में संलिप्त एक अंतरराज्यीय शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। आरोपी फर्जी पहचान एवं किराये पर वाहन बुक करने के बहाने वाहन चालकों को अपने जाल में फंसाता था तथा अपने साथियों के साथ सुनसान स्थानों पर मारपीट एवं लूट कर वाहन लेकर फरार हो जाता था।

पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन में थाना कोतवाली मैहर की पुलिस टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई।

किराये पर वाहन बुक कर लूट एवं चोरी की वारदातों को दिया अंजाम

जांच में सामने आया कि 02 सितंबर को जिला रीवा के वाहन चालक की बोलेरो पिकअप को सामान परिवहन के लिए किराये पर बुक कर मैहर क्षेत्र में ले जाया गया तथा अवसर पाकर वाहन चोरी कर लिया गया। इस संबंध में थाना कोतवाली मैहर में प्रकरण दर्ज किया गया था।

इसी प्रकार 19 सितंबर को छतरपुर निवासी एक अन्य वाहन चालक को किराये पर सामान परिवहन के बहाने मैहर बुलाया गया। सरलानगर रोड टोल प्लाजा के आगे सुनसान स्थान पर आरोपियों ने चालक के साथ मारपीट कर मोबाइल फोन एवं वाहन की चाबी छीन ली तथा पिकअप वाहन लूटकर फरार हो गए। इस घटना पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।दोनों घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा घटनास्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया।तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर सूचना तंत्र एवं सतत पतारसी के आधार पर वारदातों में संलिप्त आरोपियों की पहचान की गई। दोनों प्रकरणों में शामिल पांच आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका था।

प्रकरण का मुख्य आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस टीम द्वारा उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। इसी दौरान प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर उसे छतरपुर से अभिरक्षा में लेकर विधिवत गिरफ्तार किया गया।

मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में भी वारदातों में संलिप्तता उजागर

पूछताछ एवं विवेचना के दौरान आरोपी की मैहर के अतिरिक्त सतना, छतरपुर एवं विदिशा जिलों में हुई चोरी एवं लूट की घटनाओं में संलिप्तता सामने आई है। इसके अतिरिक्त आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में चोरी, लूट, धोखाधड़ी, कूटरचना एवं अन्य गंभीर अपराधों से संबंधित कुल 21 आपराधिक प्रकरणों का विवरण सामने आया है।

अपराध करने का तरीका

पुलिस विवेचना में आरोपी के अपराध करने के विभिन्न तरीके सामने आए हैं। आरोपी अलग-अलग स्थानों पर फर्जी पहचान बनाकर स्वयं को पुलिसकर्मी, डॉक्टर, वकील अथवा शासकीय कर्मचारी बताता था। कई बार पुलिस की वर्दी का दुरुपयोग कर आम नागरिकों से अवैध वसूली एवं ठगी भी करता था।

न्यायोत्सव : विधिक सेवा सप्ताह के तहत 15 नवंबर को होगी 'रन फॉर जस्टिस' मैराथन, आमजन को किया जाएगा जागरुक

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 14 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक न्यायोत्सव : विधिक सेवा सप्ताह-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न विधिक जागरूकता कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से आमजन को उनके कानूनी अधिकारों और नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसी क्रम में 15 नवंबर को 'रन फॉर जस्टिस - ए स्टेप टुवर्ड्स लीगल अवेयरनेस' थीम पर मैराथन एवं वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 8 बजे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल परिसर से होगा। मैराथन जिला न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर एम.पी. नगर चौराहा होते हुए वल्लभ भवन चौराहे तक पहुंचेगी। इसके बाद प्रतिभागी इसी मार्ग से वापस लौटकर जिला न्यायालय परिसर में मैराथन का समापन करेंगे।न्यायोत्सव की शुरुआत शुभारंभ समारोह एवं बाल दिवस के उत्सव के साथ की जा रही है। मैराथन एवं वॉकथॉन का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों में न्याय, विधिक अधिकारों और कानूनी जागरूकता का संदेश पहुंचाना तथा अधिक से अधिक लोगों को विधिक सेवा गतिविधियों से जोड़ना है।

स्व. श्री कैलाश सारंग की पुण्यतिथि पर देशभर में मना मातृ-पितृ भक्ति दिवस

मंत्री विश्वास सारंग ने वृद्धजनों के चरण पखारे; आरती उतारकर लिया आशीर्वाद



भोपाल(ए.)। पूर्व राज्यसभा सदस्य स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग की पुण्यतिथि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देशभर में मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रूप में मनाई गई। मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा के वार्ड क्रमांक 36, 37, 38, 39, 40, 41, 44, 58, 59, 69, 70 एवं 71 में आयोजित मातृ-पितृ भक्ति दिवस एवं वृद्धजनों के सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होकर वृद्धजनों के पांव पखारे और उनकी आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही भोपाल सहित देशभर में वृद्धजनों का सम्मान, शीतल पेय वितरण, रक्तदान, नि:शुल्क चिकित्सा शिविर सहित विभिन्न सेवा प्रकल्पों के जरिये स्व. श्री कैलाश सारंग को याद किया गया। सोशल मीडिया पर हैशटैग #सारंग_मातृ_पितृ_भक्ति_दिवस देशभर में कई घंटो तक नं. 1 पर ट्रेंड में रहा।

मंत्री श्री सारंग के आह्वान पर बड़ी संख्या में युवाओं ने अपने माता-पिता व आस-पास के वृद्धजनों को सम्मानित कर उनके फोटो-वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किये। मंत्री श्री सारंग ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में रहने वाले हर बुजुर्ग मेरे माता-पिता के समान हैं। उनकी सेवा करना हमारा दायित्व है।

देशभर में वृद्धजनों का हो रहा सम्मान

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि केवल अपने माता-पिता ही नहीं बल्कि समाज में रहने वाले हर बुजुर्ग हमारे माता-पिता के समान है और इसी संकल्प के साथ संपूर्ण देश में मातृ-पितृ भक्ति दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लाखों की संख्या में बुजुर्गों के पैर पखारकर, उनकी आरती उतारकर, उनका सम्मान कर हम अभिभूत हैं। आगे उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि हर बुजुर्ग की सेवा हम करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि लगातार 7 वर्षों से जो हम यह कार्यक्रम कर रहे हैं, आज उसमें बहुत बड़ी संख्या में पूरे देश में यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है जिसमें लाखों की संख्या में वृद्धजनों का सम्मान हो रहा है।

दिलजीत दोसांझ का इंदौर में शो रविवार को, सात करोड़ के टिकट बिके



इंदौर (आरएनएस)। पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ लगातार दूसरे साल इंदौर में अपना शो करने जा रहे हैं। उनके कॉन्सर्ट के प्रति प्रशंसकों में जबरदस्त क्रेज है। अब तक करीब सात करोड़ रुपये के टिकट बिक चुके हैं। धमकी भरे ई-मेल मिलने के बावजूद प्रशंसकों का उत्साह कम नहीं हुआ है। स्वाद की राजधानी के नाम से मशहूर इंदौर में बड़े संगीत आयोजनों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। यही कारण है कि दिलजीत दोसांझ लगातार दूसरे साल इंदौर में अपना शो करने जा रहे हैं। इस कॉन्सर्ट के लिए अब तक करीब सात करोड़ रुपये के टिकट बिक चुके हैं।यह शो इंदौर बायपास स्थित सी-21 एस्टेट ग्राउंड पर होगा। टिकट की कीमत करीब चार हजार रुपये है और अब तक 25 हजार टिकट बिक चुके हैं। आयोजकों ने टिकट बिक्री का हिसाब नगर निगम को सौंप दिया है। साथ ही मनोरंजन कर के रूप में 60 लाख रुपये भी जमा कराए हैं।आयोजन को लेकर लगातार ई-मेल के जरिए धमकियां मिल रही थीं। इसे देखते हुए बम निरोधक दस्ता आयोजन स्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार जांच कर रहा है। शो के दौरान भी 500 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात रहेंगे, जो सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

महाकाल मंदिर में नियम तोड़कर विधायक पुत्र ने बनाई रील, सुरक्षा कंपनी पर 5 लाख जुर्माना, तीन गार्ड हटाए



उज्जैन (आरएनएस)। आखिर सवाल यही है महाकाल के दरबार में सब बराबर हैं, तो नियम क्यों बराबर नहीं? अगर आम भक्त के लिए मोबाइल पर रोक है, तो वीआईपी के लिए छूट क्यों? अगर गार्ड को बर्खास्त किया गया, तो रील बनाने वाले पर कार्रवाई कब होगी?

महाकाल मंदिर में जहां आम भक्तों का मोबाइल गेट पर ही जमा कर लिया जाता है। नंदी हॉल में मोबाइल की झलक दिख जाए तो गार्ड टोक देते हैं लेकिन जब बात वीआईपी की आती है, तो नियम जैसे हवा हो जाते हैं। ताजा मामला फिर वही है। भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वे मंदिर के अंदर चांदी द्वार तक मोबाइल से रील बनाते नजर आ रहे हैं। और कार्रवाई हुई सुरक्षा कंपनी और तीन छोटे गार्डों पर। सोशल मीडिया पर पूरे मामले का एक वीडियो वायरल हो रहा है जो कि करीब एक हफ्ते पुराना बताया जा रहा है। महाकाल मंदिर में दर्शन के दौरान विधायक पुत्र रुद्राक्ष शुक्ला ने बाहर से लेकर अति संवेदनशील चांदी द्वार तक बेधड़क रील बनाई। इस दौरान वहां तैनात मंदिर के कर्मचारी रुद्राक्ष को विशेष प्रोटोकॉल से दर्शन करवाने और उनकी आवभगत में ही लगे रहे। किसी भी सुरक्षाकर्मी या कर्मचारी ने उन्हें प्रतिबंधित क्षेत्र में मोबाइल से वीडियो बनाने से नहीं रोका। यह पूरा मामला मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और दोहरे नियमों को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। मंदिर में आम और खास श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं लागू हैं। यदि कोई सामान्य श्रद्धालु 250 रुपये का शीघ्र दर्शन टिकट खरीदकर महाकाल दर्शन करने आता है, तो उसे व्यवस्था के नाम पर अपना मोबाइल फोन बाहर लॉकर में जमा कराना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर वीआईपी लोग अपने रसूख के बल पर आसानी से मोबाइल अंदर ले जाते हैं। मामला मीडिया की सुर्खी बनने के बाद महाकालेश्वर मंदिर के सुरक्षा व्यवस्था प्रभारी राहुल शर्मा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

नागदा में प्राचार्य की शर्मनाक करतूत, छात्रों को मुर्गा बनाकर पैर से मारी लात, कारण बताओ नोटिस जारी



उज्जैन (आरएनएस)। नागदा के स्कूल में प्राचार्य का छात्रों के साथ कथित दुर्व्यवहार सामने आने के बाद मामला गरमा गया है। वायरल वीडियो में बच्चों को मुर्गा बनाकर लात मारते दिख रहे प्राचार्य के खिलाफ अभिभावक पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं।

जिले में नागदा जंक्शन स्थित भारत कॉमर्स हायर सेकंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार की गंभीर घटना सामने आई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें स्कूल के प्राचार्य केबी गुप्ता छात्रों को मुर्गा बनाकर पैर से लात मारते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आते ही स्कूल प्रशासन से लेकर शिक्षा क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। विद्यालय प्रबंधन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राचार्य केबी गुप्ता को कारण बताओ नोटिस थमाया है और उनसे लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा है।

स्कूल प्रबंधन की सख्त कार्रवाई

वीडियो के वायरल होने के तुरंत बाद स्कूल प्रबंधन एक्शन में आ गया है। प्रबंधन ने प्राचार्य केबी गुप्ता को नोटिस जारी कर घटनाक्रम पर जवाब मांगा है। संस्था के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि प्राचार्य का आधिकारिक स्पष्टीकरण आने के बाद ही अगली प्रशासनिक कार्रवाई तय की जाएगी। वीडियो में छात्रों के साथ प्राचार्य का यह रूप देखकर स्कूल के अन्य अध्यापकों और कर्मचारियों में भी भारी असमंजस का माहौल बना हुआ है।शिक्षा विभाग की ओर से आरोपी प्राचार्य को पृथक नोटिस जारी करने और उनके खिलाफ नियम अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की कवायद शुरू हो गई। दूसरी तरफ इस घटना से आक्रोशित छात्रों के परिजन भी विरोध में उतर आए हैं। पीड़ित बच्चों के अभिभावक प्राचार्य के खिलाफ पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने के लिए आवेदन पत्र तैयार कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि किसी भी स्थिति में बच्चों के साथ ऐसा हिंसक बर्ताव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऑल इंडिया परमिट की पांच बसों के परमिट निरस्त करने की अनुशंसा

निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूलने और परमिट शर्तों के उल्लंघन पर आरटीओ की कार्रवाई, जांच में बसों में अग्निशमन यंत्र भी नहीं मिले

इन्दौर (आरएनएस)। ऑल इंडिया परमिट की बसों में यात्रियों से निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूलने तथा परमिट शर्तों का उल्लंघन कर बसों का संचालन किए जाने की शिकायतों पर परिवहन विभाग द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पांच वीडियोकोच बसों की जांच की गई। जांच में सभी पांच बसें ऑल इंडिया परमिट होने के बावजूद स्टेट कैरिज के रूप में संचालित पाई गईं। इसके साथ ही बसों में अग्निशमन यंत्र भी उपलब्ध नहीं मिले। अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए परिवहन विभाग ने पांचों बसों के परमिट निरस्त करने की अनुशंसा करते हुए प्रतिवेदन परिवहन आयुक्त कार्यालय को भेजा है। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा एवं कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आरटीओ प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में उड़नदस्ता टीम द्वारा यह विशेष जांच अभियान संचालित किया गया। जांच के दौरान टीम ने बसों में यात्रा कर रहे यात्रियों से किराए की जानकारी भी प्राप्त की। इसमें इंदौर-पुणे मार्ग पर संचालित बस में यात्रियों से 800, 1200 और 2100 रुपये तक किराया वसूले जाने की जानकारी सामने आई। इसी प्रकार ठाणे मार्ग



पर 1800 से 1900 रुपये, इंदौर-मुंबई मार्ग पर 2000 से 4000 रुपये तथा मूंगावली मार्ग पर 600 से 800 रुपये तक किराया लिया जाना पाया गया। एक बस में दो यात्रियों से कुल 8190 रुपये किराया वसूला गया। मुंबई मार्ग की एक अन्य बस में भी यात्रियों से 1250, 1500 और 2100 रुपये तक अलग-अलग किराया लिया गया था।

जांच के दौरान बसों में अग्नि सुरक्षा के लिए आवश्यक उपकरणों की अनुपलब्धता भी पाई गई। विभागीय जांच में यह स्पष्ट हुआ कि ऑल इंडिया परमिट के अंतर्गत संचालित बसों का स्टेट कैरिज के रूप में उपयोग किया जाना परमिट की शर्तों का उल्लंघन है। यात्रियों की सुरक्षा, निर्धारित किराया व्यवस्था और परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है।

आरटीओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि यात्रियों से अधिक किराया वसूलने और परमिट शर्तों के विरुद्ध बसों का संचालन किए जाने की शिकायतों के आधार पर यह अभियान चलाया गया। पांचों बसों के परमिट निरस्त करने के लिए प्रतिवेदन परिवहन आयुक्त कार्यालय को भेजा गया है। उन्होंने बस संचालकों को निर्धारित परमिट शर्तों एवं सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए हैं। परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की जांच एवं कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

व्यापार समाचार

3.4 मिलियन डॉलर के साइबर फ्रॉड नुकसान की रिपोर्ट गलत, सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित : यस बैंक



नई दिल्ली (आरएनएस)। यस बैंक ने उस रिपोर्ट का खंडन किया है जिसमें दावा किया गया था कि सरकारी खातों से जुड़े एक साइबर फ्रॉड में उसे लगभग 3.4 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। बैंक ने स्पष्ट किया है कि उसके सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित हैं और उसे कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है।

बैंक ने द बैंकर (फाइनेंशियल टाइम्स ग्रुप का एक प्रकाशन) की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसका शीर्षक था - यस बैंक में कथित तौर पर 3.4 मिलियन डॉलर के साइबर नुकसान के बाद भारत हाई अलर्ट पर है। कई रिपोर्टों में यह भी कहा गया था कि यह घटना अक्टूबर 2026 के अंत में हुई थी।

इन दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए बैंक ने कहा कि रिपोर्ट में असल स्थिति नहीं दिखाई गई है। बैंक ने इस बारे में मीडिया संस्थान से संपर्क किया है, उन्हें गलतियों के बारे में बताया है और रिपोर्ट वापस लेने की मांग की है।

बैंक के अनुसार, गलत जानकारी छपने से उसकी साख को नुकसान पहुंचा है और इससे स्टेकहोल्डर्स (हितधारकों) के बीच बेवजह चिंता पैदा हो सकती है।

बैंक ने कहा, यस बैंक बैंकिंग सुरक्षा, कामकाज की ईमानदारी और ग्राहकों के भरोसे के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।इससे पहले इस महीने, यस बैंक ने एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज द्वारा लगाए गए जानबूझकर आदेश न मानने के आरोपों को खारिज कर दिया था। यह मामला 8,415 करोड़ रुपये के एडिशनल टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड को फिर से बहाल करने में हुई देरी से जुड़ा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में राइट-ऑफ (बट्टे खाते में डालने) के फैसले को रद्द करते हुए बहाल करने को कहा था। हालांकि, बैंक के सामने अब अदालत की अवमानना की स्थिति बन सकती है। एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज ने चेतावनी दी है कि अगर बैंक को भेजे गए उनके संदेश के तीन दिनों के भीतर बॉन्ड बहाल नहीं किए गए, तो वे कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे।

स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में, यस बैंक ने बताया कि उसने 28 अक्टूबर को ट्रस्टी के पत्र का जवाब दे दिया है। ट्रस्टी ने इस पत्र में बॉन्ड को फिर से बहाल करने और तीन दिनों के भीतर सभी जरूरी कॉर्पोरेट कार्रवाई पूरी करने की मांग की थी।अपने जवाब में बैंक ने कहा कि वह ट्रस्टी द्वारा उसके बर्ताव को जानबूझकर आदेश न मानने के रूप में बताए जाने को स्वीकार नहीं करता है। बैंक ने आगे कहा कि उसने इस मामले की जांच की है और परिणामों का आकलन किया है, जिसका मकसद सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पूरी तरह से पालन करना है।

मुश्किल में फंसी OLA, यात्रा पूरी होने से पहले 'टिप' मांगने पर लगा 10 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कैब सेवा देने वाले प्लेटफॉर्म ओला का संचालन करने वाली एएनआई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई यात्रियों से यात्रा पूरी होने से पहले 'टिप' या 'ऐड-ऑन' के नाम पर अतिरिक्त भुगतान मांगने को लेकर की गई है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि प्राधिकरण ने ओला को इस प्रथा (प्रैक्टिस) को तत्काल बंद करने का निर्देश दिया है। सीसीपीए ने कहा कि यह तरीका उपभोक्ताओं को भ्रमित करता है, अनुचित व्यापार व्यवहार की श्रेणी में आता है और इसे 'डार्क पैटर्न' माना जाता है।सीसीपीए की ओर से की गई जांच में ओला ऐप के उस फीचर की पड़ताल की गई, जिसमें ऐप ड्राइवर की तलाश कर रहा होता था और इसी दौरान उपभोक्ताओं को अतिरिक्त भुगतान करने के लिए प्रेरित किया जाता था। ऐप पर यह संकेत दिया जाता था कि अतिरिक्त राशि देने से जल्दी राइड मिलने की संभावना बढ़ सकती है। यह आदेश सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अगुवाई में जारी किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि ओला ने बाद में इस फीचर का नाम 'टिप' से बदलकर 'ऐड-ऑन' कर दिया। हालांकि, प्राधिकरण के मुताबिक नाम बदलने के बावजूद इस फीचर का मूल तरीका और उपभोक्ताओं को अतिरिक्त भुगतान के लिए प्रेरित करने की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं हुआ। सीसीपीए ने



ओला ऐप के अलग-अलग संस्करणों के इंटरफेस की जांच की, जिनमें ऐसे संदेश दिखाई देते थे जिनका अर्थ था कि टिप देने से जल्दी राइड मिलने की संभावना बढ़ सकती है। प्राधिकरण के अनुसार, ऐप पर "टिप जोड़ने से जल्दी राइड मिलने की संभावना बढ़ सकती है", "जल्दी राइड मिलने की संभावना बढ़ाने के लिए अभी टिप दें" और "जल्दी राइड कन्फर्म होने की संभावना बढ़ाएं" जैसे संदेश दिखाए जाते थे। ये संदेश उस समय दिखाई देते थे, जब ऐप ड्राइवर की तलाश कर रहा होता था। साथ ही, इनके ठीक ऊपर पहले से तय अतिरिक्त भुगतान की रकम के विकल्प दिए जाते थे। सीसीपीए के मुताबिक, इससे उपभोक्ता के मन में यह धारणा बन सकती थी कि अतिरिक्त पैसे देने से राइड की बुकिंग जल्दी हो जाएगी। प्राधिकरण ने कहा कि संदेशों में 'संभावना' या 'हो सकता है' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने के बावजूद उपभोक्ता पर बनने वाला कुल प्रभाव नहीं बदलता।

प्राधिकरण ने ओला के रुख को भी विरोधाभासी बताया। कंपनी का कहना था कि ऐड-ऑन का राइड आवंटन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। वहीं, ऐप पर दिखाए जाने वाले संदेश यह संकेत देते थे कि अतिरिक्त भुगतान करने से जल्दी राइड मिलने की संभावना बढ़ सकती है।

सीसीपीए ने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं को यह जानकारी नहीं दी गई कि कंपनी के अपने आंकड़ों के अनुसार ऐड-ऑन वाले राइड अनुरोधों की स्वीकार्यता दर कम थी। इसके अलावा, ऐप में सुझाई गई अतिरिक्त भुगतान राशि किस आधार पर तय की जाती थी, इसकी जानकारी भी उपभोक्ताओं को नहीं दी गई। सीसीपीए ने कहा कि उपभोक्ताओं से ये महत्वपूर्ण जानकारियां छिपाना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(28)(i1) के तहत महत्वपूर्ण जानकारी छिपाने की श्रेणी में आता है। प्राधिकरण के अनुसार, किसी सेवा के लिए टिप आमतौर पर सेवा मिलने के बाद ग्राहक की ओर से अपनी इच्छा से दिया जाने वाला भुगतान होता है।

भारत में ऑटो सेक्टर की रिकॉर्ड बिक्री, अक्टूबर में पहली बार 5 लाख के पार पहुंची कार-एसयूवी बिक्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने अक्टूबर में शानदार प्रदर्शन किया। देश में कार और एसयूवी समेत यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में पहली बार 5 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में घरेलू यात्री वाहन बिक्री सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत बढ़कर 5,19,060 यूनिट हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में 4,61,614 यूनिट की बिक्री हुई थी। यात्री वाहन श्रेणी में यूटिलिटी व्हीकल यानी एसयूवी की मांग सबसे मजबूत रही। अक्टूबर में इनकी बिक्री 11.4 प्रतिशत बढ़कर 3,01,141 यूनिट रही। वहीं कारों की बिक्री 11.8 प्रतिशत बढ़कर 1,30,305 यूनिट पर पहुंच गई।इस तरह त्योहारों के सीजन के दौरान कार और एसयूवी की मजबूत मांग ने यात्री वाहन बाजार को नई ऊंचाई पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली, और इस दौरान कुल दोपहिया बिक्री 16.1 प्रतिशत बढ़कर 25,77,810 यूनिट हो गई।इसमें स्कूटरों का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। स्कूटर की बिक्री 31.6 प्रतिशत बढ़कर 10,96,756 यूनिट पहुंच गई। वहीं मोटरसाइकिल की बिक्री 6.6 प्रतिशत बढ़कर 14,23,118 यूनिट रही। मोपेड की बिक्री में भी 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।तीन पहिया वाहनों की बिक्री में भी अक्टूबर के दौरान अच्छी तेजी रही। इनकी बिक्री 25.7 प्रतिशत बढ़कर 1,03,349 यूनिट हो गई।पैसेंजर कैरियर की बिक्री में 26.9 प्रतिशत और गुड्स कैरियर की बिक्री में 27.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि इलेक्ट्रिक रिक्शा की बिक्री में 22.3 प्रतिशत और ई-कार्ट की बिक्री में 17.8 प्रतिशत की गिरावट आई।

एआई टूल से साइबर हमलों का खतरा बढ़ा : एफबीआई

वाशिंगटन (आरएनएस),। साइबर क्रिमिनल्स क्या एआई का इस्तेमाल दुनिया में खौफ पैदा करने के लिए कर रहे हैं? क्या कुछ घंटों के भीतर ही दहशत फैलाई जा सकती है? कुछ ऐसे ही सवालों को लेकर फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने चेतावनी जारी की है। एजेंसी के मुताबिक साइबर अपराधी दुनिया भर के संगठनों पर हमले तेज करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सुरक्षा परीक्षण टूल का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें से कुछ हमलों में तो वे तीन घंटे से भी कम समय में प्रिविलेज्ड एक्सेस (विशेष पहुंच) तक पहुंच जाते हैं।

शुक्रवार (स्थानीय समय) को ब्यूरो ने बताया कि हमलावरों ने अगस्त से एआरटीईएक्स नामक ओपन-सोर्स फ्रेमवर्क का इस्तेमाल किया है। इसके जरिए उन्होंने फाइनेंस, सरकार, टेक्नोलॉजी, डिफेंस, एनर्जी और हेल्थकेयर जैसे विभिन्न क्षेत्रों के संगठनों को निशाना बनाया है।

एफबीआई के अनुसार, यह टूल घुसपैठ के कई चरणों को ऑटोमेट कर सकता है—संभावित लक्ष्यों की पहचान करने से लेकर डेटा चोरी की तैयारी करने या उसे अंजाम देने तक। इससे बचाव करने वालों के पास हमले का पता लगाने और उस



पर प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत कम समय बचता है।

अलर्ट में कहा गया है कि कुछ मामलों में, शुरुआती लक्ष्य बनाने से लेकर सिस्टम तक विशेष (प्रिविलेज्ड) एक्सेस हासिल करने तक की प्रक्रिया तीन घंटे से भी कम समय में पूरी हो गई।अलर्ट के मुताबिक, इस फ्रेमवर्क को मूल रूप से अधिकृत सुरक्षा परीक्षण (ऑथराइज्ड सिक्योरिटी टेस्टिंग) के लिए बनाया गया था। एफबीआई ने बताया कि इसके गलत इस्तेमाल की खबरें आने के बाद, अक्टूबर में इसके डेवलपर ने मूल ऑनलाइन रिपॉजिटरी को हटा दिया था, लेकिन इसके अन्य वर्जन और कॉपियां अभी भी उपलब्ध हैं।

ब्यूरो ने कहा कि यह टूल जटिल ऑपरेशनों को अंजाम देने में आने वाली तकनीकी बाधाओं को कम कर सकता है, जिससे हमलावर एक ही समय में कई लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। अलर्ट में जिन क्षेत्रों को लेकर चिंता जताई गई है, उनमें संगठनों के इंटरनेट से जुड़े एप्लिकेशन, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और सप्लायर्स या पार्टनर्स से जुड़े सिस्टम शामिल हैं।एफबीआई ने दक्षिण कोरिया के वित्तीय संस्थानों पर हुए ऐसे हमलों का उदाहरण दिया, जिनका मकसद आर्थिक लाभ कमाना था। इन हमलों के कारण लगभग 67,000 लोगों की निजी जानकारी चोरी हो गई। इसके अलावा, एक सप्लाई-चेन कॉम्प्रोमाइज (आपूर्ति श्रृंखला में सेंध) का भी जिक्र किया गया, जिसने क्लाउड बैकअप सर्विस का इस्तेमाल करने वाले उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया। इससे हमलावरों को 2,250 से अधिक ग्राहकों के सिस्टम तक पहुंच मिल गई।ब्यूरो ने संगठनों को सलाह दी है कि वे इंटरनेट पर अपनी मौजूदगी (एक्सपोजर) की समीक्षा करें, पहचान और एक्सेस कंट्रोल को मजबूत करें, किसी भी असामान्य गतिविधि पर नजर रखें और अपने क्रेडेंशियल्स (लॉगिन जानकारी) को सुरक्षित रखें।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

उनका अपना पक्ष है

इस किताब के जरिए ऐसे व्यक्ति का पक्ष सामने आया है, जो ऐतिहासिक संयोग के कारण भारतीय राजनीति का एक केंद्र बन गईं। और जो उस परिवार से संबंधित रहीं, जिसकी दशकों तक अहम भूमिका रही है।सोनिया गांधी की आत्मकथा व्यक्तिगत या पारिवारिक दायरे से आगे जाते हुए उन कई प्रकरणों को भी छूती है, जो पिछले लगभग छह दशक में विवादित एवं बहुचर्चित रहे हैं। ऐसे में इस किताब पर दूसरे हलकों से प्रतिक्रिया आना या वैकल्पिक कथा पेश किया जाना स्वाभाविक ही है। अत: कुछ मामलों को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा है, तो उसे आम राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा मान कर नजरअंदाज कर दिया जाना चाहिए। इसलिए कि इस किताब का महत्त्व कहीं और है। इसके जरिए एक ऐसे व्यक्ति का पक्ष सामने आया है, जो ऐतिहासिक संयोग के कारण निजी दायरे से निकल कर भारतीय राजनीति का एक केंद्र बन गईं। उस व्यक्ति का, जो उस परिवार से संबंधित रहीं, जिसका दशकों तक इस देश का सियासी रूप ढालने में निर्णायक योगदान रहा है।भारत में इस हैसियत में रहे व्यक्तियों के बारे में तो सैकड़ों किताबें लिखी गई हैं, लेकिन तत्कालीन घटनाओं पर अक्सर उनका अपना पक्ष सामने नहीं आया। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा 1936 में प्रकाशित हुई, तब देश की बागडोर उनके हाथ में नहीं थी। नतीजतन, आजादी के बाद आरंभिक वर्षों में जो कुछ हुआ, उस पर लिखी गई अनगिनत किताबों से जानकारियां तो खूब उपलब्ध हैं, लेकिन उन अहम घटनाओं के बारे में नेहरू का अपना पक्ष हमें मालूम नहीं है। यही बात महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य प्रधानमंत्रियों पर भी लागू होती है। इंदर कुमार गुजराल ने जरूर आत्मकथा लिखी, लेकिन उनका कार्यकाल इतिहास में महज एक क्षेपक की तरह दर्ज है। पी.वी. नरसिंह राव ने अपनी कहानी उपन्यास की शक्ल में लिखी, इसलिए यह तय करना कठिन बना रहा है कि उसमें कितना तथ्य और कितनी किस्सागोई है। इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए सोनिया गांधी का अपना, और प्रकारांतर में गांधी परिवार का पक्ष रखना महत्त्वपूर्ण दस्तावेज बन जाता है। इससे मालूम हुआ है कि गुजरे छह दशकों की घटनाओं को इस परिवार के अंदर कैसे देखा गया। बेशक, उसे देखने के बहुतेरे दूसरे स्रोत और नजरिए भी उपलब्ध हैं। मगर इतिहास सभी पक्षों के दृष्टिकोण को शामिल करते हुए ही वस्तुगत रूप ग्रहण करता है।

दिल्ली-एनसीआर के इस संकट का समाधान क्या?

रजनीश कपूर

पराली समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। साथ ही, दिल्ली-एनसीआर का साल भर का प्रदूषण मुख्य रूप से स्थानीय स्रोतों, यानी वाहन उत्सर्जन, सड़क व निर्माण धूल और औद्योगिक गतिविधियों आदि से आता है। मौसमी पराली और दीवाली के पटाखे उस पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। दीपावली के अगले दिन दिल्ली AQI बड़े खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन 11 नवंबर को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार दिखा। सुबह सात बजे AQI लगभग 299 पर पहुंचा, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। कुछ दिनों पहले यह आंकड़ा 'बहुत खराब और गंभीर' श्रेणी में था। मजबूत हवाओं ने कुछ प्रदूषकों को बिखेर दिया, लेकिन यह राहत नाजुक है। चांदनी चौक, आईआईटी दिल्ली, डीटीयू, नॉर्थ कैंपस और छावला जैसे कई स्टेशनों पर AQI अभी भी 370-396 के आसपास है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम के अनुसार अगले कुछ दिन भी स्थिति 'बहुत खराब' बनी रहने की संभावना है। यह सुधार दीवाली के बाद आया है। 8 नवंबर को दीवाली के दिन दिल्ली का औसत AQI 376 दर्ज हुआ, जो पिछले पांच वर्षों में त्योहार वाले दिन का सबसे ऊंचा आंकड़ा था। पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद कई जगहों पर उनका इस्तेमाल हुआ। साथ ही मौसमी परिस्थितियां प्रतिकूल रहीं। GRAP का स्टेज-3 छह नवंबर को एहतियाती कदम के रूप में लागू किया गया था, जब AQI 382 पर पहुंच गया। स्टेज-1 (21 अक्टूबर से) और स्टेज-2 (2 नवंबर से) पहले से लागू थे। निर्माण गतिविधियों पर सख्ती, पुराने वाहनों पर प्रतिबंध, स्कूलों में हाइब्रिड मोड और कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम जैसे कदम जारी हैं। पानी छिड़काव मशीनें भी तैनात की गई हैं।

हॉकी के गढ़ भोपाल में एशिया की दिग्गज टीमों का महासंग्राम, दुनिया देखेगी मध्यप्रदेश की खेल उत्कृष्टता

बिन्दु सुनील

कभी भारतीय हॉकी की धड़कन रहा भोपाल एक बार फिर एशियाई हॉकी के रोमांच और गौरव का साक्षी बनने जा रहा है। जिस शहर की मिट्टी में हॉकी की समृद्ध विरासत रची-बसी है, जहां हॉकी केवल एक खेल नहीं बल्कि जुनून और पहचान रही है, वहीं अब एशिया की श्रेष्ठ महिला हॉकी टीमें अपने कौशल और खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। महिला एशियाई हॉकी चैंपियनशिप 2026 का भोपाल में आयोजन मध्यप्रदेश के लिए केवल एक अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी नहीं, बल्कि उसकी शानदार खेल परंपरा, आधुनिक अधोसंरचना और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही उत्कृष्ट सुविधाओं का वैश्विक मंच पर प्रदर्शन भी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को विशेष प्राथमिकता देते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल परिसरों, अत्याधुनिक अकादमियों और वैज्ञानिक प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया गया है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश आज देश के प्रमुख खेल प्रशिक्षण केंद्रों में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। एशियाई हॉकी की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए भोपाल का चयन प्रदेश की खेल अधोसंरचना, आयोजन क्षमता और खेलों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। प्रदेश में खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण, उच्चस्तरीय खेल सुविधाएं, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भोपाल में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश की खेल अधोसंरचना, आयोजन क्षमता और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

भोपाल की रगों में दौड़ती है हॉकी, ओलंपिक स्वर्ण से जुड़ा है गौरवशाली इतिहास

भोपाल को भारतीय हॉकी की नर्सरी कहा जाता है। यह वह शहर है, जिसने भारतीय हॉकी को ऐसे अनेक दिग्गज खिलाड़ी दिए, जिन्होंने ओलंपिक, एशियाई खेलों और विश्व कप जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में देश का गौरव बढ़ाया। भोपाल का ऐतिहासिक ऐशबाग हॉकी मैदान भारतीय हॉकी की अनेक यादगार उपलब्धियों और महान खिलाड़ियों के संघर्ष का साक्षी रहा है। भोपाल के दिग्गज हॉकी खिलाड़ी अहमद शेर खान वर्ष 1936 के बर्लिन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के दौर में देश को ओलंपिक स्वर्ण दिलाने वाली टीम में उनका योगदान भोपाल के खेल इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। इस विरासत को उनके पुत्र असलम शेर खान ने आगे बढ़ाया। असलम शेर खान ने वर्ष 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया और वर्ष 1975 में भारत की पहली हॉकी विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्व कप के सेमीफाइनल में मलेशिया के विरुद्ध उनका निर्णायक योगदान भारतीय हॉकी के इतिहास में विशेष स्थान रखता है। भोपाल के इनाम-उर-रहमान वर्ष 1968 के मैक्सिको सिटी ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे। सैयद जलालुद्दीन रिजवी ने वर्ष 1984 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक और समीर दाद ने वर्ष 2000 के सिडनी ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर भोपाल की हॉकी परंपरा को आगे बढ़ाया। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि भोपाल दशकों से भारतीय हॉकी को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं देता रहा है। भोपाल की ऐतिहासिक ओबैदुल्ला खान गोल्ड कप हॉकी प्रतियोगिता ने भी देश में हॉकी की लोकप्रियता और प्रतिभा संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां की हॉकी संस्कृति ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी खिलाड़ियों को प्रेरित किया। आज उसी गौरवशाली परंपरा को आधुनिक खेल अकादमियां नई पहचान दे रही हैं।

भोपाल की हॉकी अकादमी ने दिए ओलंपिक पदक विजेता, विवेक सागर और नीलकांत ने बढ़ाया देश का गौरव

भोपाल की गौरवशाली हॉकी परंपरा को नई पीढ़ी के खिलाड़ियों ने और समृद्ध किया है। मध्यप्रदेश राज्य पुरुष हॉकी अकादमी ने ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार किए हैं, जिन्होंने दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच ओलंपिक में भारत को पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आधुनिक सिंथेटिक टर्फ, अनुभवी प्रशिक्षकों, आवासीय सुविधाओं और नियमित प्रशिक्षण की बदौलत यह अकादमी भारतीय हॉकी के प्रमुख प्रशिक्षण केंद्रों में अपनी पहचान बना चुकी है।

अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद मध्यप्रदेश की खेल उत्कृष्टता का प्रेरणादायी उदाहरण हैं। विवेक सागर वर्ष 2020 के टोक्यो ओलंपिक और वर्ष 2024 के पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे। वर्ष 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित विवेक सागर ने अपने शानदार प्रदर्शन से यह साबित किया है कि मध्यप्रदेश की खेल अकादमियां अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं तैयार करने में सक्षम हैं। इसी अकादमी से जुड़े नीलकांत शर्मा ने भी भारतीय हॉकी को नई उपलब्धियां दिलाई हैं। नीलकांत वर्ष 2020 के टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक



जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे। वर्ष 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक तथा वर्ष 2016 के जूनियर हॉकी विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत में भी उनका योगदान रहा। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित नीलकांत की उपलब्धियां भोपाल की हॉकी अकादमी में उपलब्ध उत्कृष्ट प्रशिक्षण सुविधाओं का प्रमाण है ।

ग्वालियर की महिला हॉकी अकादमी ने देश को दी ओलंपिक कप्तान सुशीला चानू

महिला हॉकी के क्षेत्र में ग्वालियर स्थित मध्यप्रदेश राज्य महिला हॉकी अकादमी ने भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। इस अकादमी ने अनेक ऐसी प्रतिभाओं को निखारा है, जिन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त सुशीला चानू पुखरामबम इसकी सबसे प्रेरणादायी उपलब्धियों में शामिल हैं। सुशीला चानू ने वर्ष 2016 के रियो ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी की थी। यह भारतीय महिला हॉकी के लिए ऐतिहासिक अवसर था, क्योंकि टीम ने 36 वर्षों के अंतराल के बाद ओलंपिक में वापसी की थी। सुशीला चानू वर्ष 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय टीम का हिस्सा रहीं, जहां भारतीय महिला हॉकी टीम ने चौथा स्थान प्राप्त कर इतिहास रचा। एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन ने देश की महिला हॉकी को नई पहचान दी। ग्वालियर की महिला हॉकी अकादमी से जुड़ी प्रीति दुबे, मोनिका मलिक, रीना खोखर और ईशिका चौधरी जैसी खिलाड़ियों ने भी भारतीय महिला हॉकी को मजबूती प्रदान की है। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां दर्शाती हैं कि मध्यप्रदेश में बेटियों केवल खेलों में भागीदारी के अवसर ही नहीं, बल्कि उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने के लिए अनुकूल वातावरण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। भोपाल की पुरुष हॉकी अकादमी से ओलंपिक पदक विजेता और ग्वालियर की महिला हॉकी अकादमी से भारतीय महिला टीम की ओलंपिक कप्तान का निकलना प्रदेश की खेल प्रशिक्षण व्यवस्था की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह इस बात का उदाहरण है कि जब प्रतिभा को आधुनिक सुविधाएं, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन मिलता है, तो वह विश्व स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करती है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों की खेल अधोसंरचना मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी ताकत

मध्यप्रदेश में खेलों के विकास की सबसे बड़ी विशेषता आधुनिक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल अधोसंरचना का विस्तार है। भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में 19 से 28 नवंबर तक महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। कुल 20 मुकाबलों वाली इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 नवंबर को मलेशिया के विरुद्ध करेगी। सेमीफाइनल 27 नवंबर और फाइनल 28 नवंबर को खेला जाएगा। आधुनिक सिंथेटिक हॉकी टर्फ, फ्लडलाइट और खिलाड़ियों एवं दर्शकों के लिए विकसित सुविधाओं से सुसज्जित यह खेल परिसर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए तैयार किया गया है। भोपाल की पुरुष हॉकी अकादमी में भी दो फ्लडलाइटयुक्त सिंथेटिक हॉकी मैदान और 150 खिलाड़ियों की आवासीय क्षमता वाला छात्रावास उपलब्ध है। इन सुविधाओं से खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण का बेहतर वातावरण मिलता है। महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी इस बात को रेखांकित करती है कि मध्यप्रदेश में विकसित खेल अधोसंरचना अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

हॉकी ही नहीं, शूटिंग और जल क्रीड़ा में भी मध्यप्रदेश की विशिष्ट पहचान

मध्यप्रदेश ने हॉकी के साथ शूटिंग, जल क्रीड़ा, एथलेटिक्स, मार्शल आर्ट्स और अन्य खेलों में भी उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं विकसित की हैं। राजधानी भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी देश की प्रमुख शूटिंग प्रशिक्षण संस्थाओं में शामिल है। यहां 10 मीटर, 25 मीटर और 50 मीटर की आधुनिक शूटिंग रेंज के साथ ट्रैप एवं स्कीट शूटिंग की सुविधाएं उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के अनुरूप विकसित शूटिंग रेंज और प्रशिक्षण संसाधन प्रदेश के खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करने में सहायक हैं। भोपाल की जल क्रीड़ा अकादमी में रोइंग, कैनोइंग और सेलिंग जैसी खेल विधाओं का प्रशिक्षण ाता है। इसी प्रकार एथलेटिक्स, घुड़सवारी, बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडो, फेंसिंग और ताइक्वांडो सहित विभिन्न खेलों के लिए विशेष अकादमियां संचालित हैं। ग्वालियर में महिला हॉकी और बैडमिंटन, जबलपुर में तीरंदाजी तथा शिवपुरी में क्रिकेट प्रशिक्षण की व्यवस्थाएं प्रदेश की व्यापक खेल अधोसंरचना का परिचय देती हैं। इन खेल अकादमियों में खिलाड़ियों को आधुनिक उपकरण, आवासीय सुविधाएं, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन और नियमित प्रतिस्पर्धात्मक अभ्यास उपलब्ध कराया जाता है। खेलों के लिए विकसित यह व्यापक व्यवस्था मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख खेल प्रशिक्षण केंद्रों में स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक से निखर रही खिलाड़ियों की प्रतिभा

आधुनिक खेलों में सफलता के लिए केवल प्रतिभा और कठिन परिश्रम ही पर्याप्त नहीं है। वैज्ञानिक प्रशिक्षण, शारीरिक क्षमता का विश्लेषण, संतुलित पोषण, मानसिक दृढ़ता और चोटों से उबरने की आधुनिक व्यवस्थाएं भी उतनी ही आवश्यक हैं। मध्यप्रदेश ने इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक को विशेष महत्व दिया है। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम स्थित खेल विज्ञान केंद्र में खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी, खेल पोषण, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, बायोमैकेनिकल विश्लेषण, वीडियो विश्लेषण, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग तथा पुनर्वास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस प्रकार प्रदेश में खिलाड़ियों को केवल मैदान पर अभ्यास ही नहीं, बल्कि उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को वैज्ञानिक तरीके से विकसित करने के अवसर भी मिल रहे हैं। आधुनिक प्रशिक्षण की यह व्यवस्था राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

महिला एशियाई हॉकी चैंपियनशिप से प्रदेश की बेटियों को मिलेगी नई प्रेरणा

महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का भोपाल में आयोजन महिला सशक्तीकरण और खेलों में बेटियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। एशिया की शीर्ष महिला हॉकी खिलाड़ियों को अपने प्रदेश में खेलते देखना हजारों बालिकाओं के लिए प्रेरणादायी अवसर होगा। ग्वालियर की महिला हॉकी अकादमी से सुशीला चानू जैसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारतीय टीम की कप्तान का निकलना यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश की बेटियों में विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपार क्षमता है। आवश्यकता है उन्हें सही अवसर, आधुनिक प्रशिक्षण और निरंतर प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की। भोपाल में आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता नई पीढ़ी की महिला खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल तकनीक, अनुशासन, टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल को करीब से समझने का अवसर प्रदान करेगी। प्रतियोगिता में दर्शकों के लिए नि:शुल्क प्रवेश की व्यवस्था भी की गई है, जिससे अधिक से अधिक खेल प्रेमी और युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय हॉकी के रोमांच का अनुभव कर सकेंगे।

खेल और पर्यटन के संगम से भोपाल की वैश्विक पहचान

झीलों की नगरी भोपाल अपनी ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन से खेलों के साथ मध्यप्रदेश की संस्कृति और पर्यटन को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने का अवसर प्राप्त होगा। भोपाल आने वाले विदेशी खिलाड़ी, प्रशिक्षक, खेल अधिकारी और अन्य अतिथि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित हो सकेंगे। विश्व धरोहर स्थल सांची और भीमबेटका, ऐतिहासिक भोजपुर मंदिर तथा भोपाल के अन्य पर्यटन स्थल प्रदेश की गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित करते हैं। इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के माध्यम से खेल पर्यटन, स्थानीय व्यवसाय और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहन मिलने की संभावनाएं हैं।

हॉकी की ऐतिहासिक विरासत से खेल उत्कृष्टता के नए युग की ओर मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की खेल यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां खेलों की समृद्ध परंपरा को आधुनिक अधोसंरचना और वैज्ञानिक प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है। भोपाल के ऐतिहासिक हॉकी मैदानों से लेकर नाथू बरखेड़ा के आधुनिक अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर तक का सफर प्रदेश में खेल सुविधाओं के निरंतर विस्तार को दर्शाता है । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में खेलों को युवाओं के सर्वांगीण विकास, प्रतिभा संवर्धन और अंतरराष्ट्रीय पहचान से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के मार्गदर्शन में खेल अधोसंरचना के विकास और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन को प्रोत्साहन मिल रहा है।महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 की मेजबानी मध्यप्रदेश की इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह आयोजन प्रदेश की उस खेल संस्कृति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा, जहां ओलंपिक चैंपियनों की गौरवशाली विरासत, विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं, उत्कृष्ट प्रशिक्षण और नई पीढ़ी की प्रतिभाएं मिलकर भविष्य की नई संभावनाएं गढ़ रही हैं।



मेष राशि: आज का दिन अनुकूल मेष राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। माता-पिता के साथ आप अपने मन की बातें साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वे आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

वृषभ राशि: आज का दिन ठीक-ठाक वृषभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नकारात्मक सोचने से बचना चाहिए। आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। बच्चे आज आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन उत्तम मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम के प्रति समर्पण होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे आपको अच्छा महसूस होगा। कोई खास कार्य संपन्न होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि: आज का दिन उत्तम कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

सिंह राशि: आज उमंग और खुशी सिंह राशि वालों आज आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, उसे पूरे मन से करेंगे। आपको कोई नया अनुभव मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि: आज का दिन अनुकूल कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा और लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। किसी से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

तुला राशि: माता-पिता की सेवा में बीतेगा दिन तुला राशि वालों आज आपका दिन माता-पिता की सेवा में बीतेगा। आज आप जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं, तो पहले उसकी अच्छी तरह जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज का दिन सुखद बीतेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक या मनोरंजन संबंधी यात्रा का कार्यक्रम बनेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन शानदार वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज युवाओं को अपनी पढ़ाई और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज कोई भी कागजी काम करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।

धनु राशि: आज उमंग से भरा रहेगा दिन धनु राशि वालों आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों की अच्छी आय होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के बाद काम बन जाएगा। सगे-संबंधियों से अच्छा तालमेल बनेगा। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: आज का दिन बेहतरीन मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने व्यवहार में सुधार लाने की जरूरत है, क्योंकि कभी-कभी आपका जल्दबाजी और आवेशपूर्ण स्वभाव लोगों के लिए परेशानियां खड़ी कर देता है।

कुंभ राशि: कार्यक्षेत्र में मिलेगी तरक्की कुंभ राशि वालों आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में घबराने के बजाय अपनी बुद्धि और कार्य क्षमता का उपयोग करेंगे, तो समय रहते उचित हल भी निकल आएंगे। आज अनुभवी और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन तथा सलाह पर उचित अमल करें।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका मन उत्साहित रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर आने के योग बन रहे हैं और उनकी सैलरी में इजाफा होगा। आज कुछ समय एकांत या आध्यात्मिक स्थल पर व्यतीत करेंगे। भाइयों के साथ चल रही समस्या किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सहायता से हल हो जाएगी।

पहाड़ों में मुनाफ़े की उड़ान और सुरक्षा रामभरोसे!

रजनीश कपूर

2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुई, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं।

उत्तराखंड के चमोली जिले में 30 अक्टूबर 2026 को बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा हेलीपैड के लिए उड़ान भरने वाला ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर VT-HCX जोशीमठ के पास चाई गांव-हाथी पर्वत क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें दिल्ली के रहने वाले पायलट कैप्टन हिमांशु सभरवाल समेत पांच कर्नाटक के यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें बेंगलुरु पुलिस के इंस्पेक्टर अरुण सालुंके भी शामिल थे। ऑरेंज अलर्ट और खराब मौसम के बीच उड़ान भरने वाला यह विमान संपर्क टूटने के तुरंत बाद पहाड़ी से टकराया। यह हादसा चारधाम क्षेत्र में हो रहे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं की श्रृंखला का हिस्सा है और पहाड़ी उड़ानों की मूलभूत कमजोरियों को उजागर करता है।

पहाड़ों में हेलीकॉप्टर उड़ानें स्वाभाविक रूप से जोखिम भरी होती हैं। संकरी घाटियां, अचानक बदलता मौसम, घना बादल, तेज हवाएं और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी पायलट के निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाएं लोकप्रिय हो गई हैं क्योंकि वे तीर्थयात्रियों को कठिन पैदल यात्रा से बचाती हैं। लेकिन यह सुविधा सुरक्षा के मूल्य पर आ रही है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) के आंकड़ों के अनुसार 2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुई, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं।

जोशीमठ हादसे के संभावित कारणों में मौसम सबसे अहम माना जा सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने चमोली में तूफान, बारिश और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। उड़ान भरते समय स्थानीय मौसम भले ही साफ रहा होगा, लेकिन घाटी में बादल और वर्षा अचानक छा गए होंगे। पहाड़ी उड़ानों में नियंत्रित उड़ान में भू-भाग से टकराना (CFIT) एक सामान्य कारण होता है, जब पायलट दृश्यता खोकर गलत दिशा में चला जाता है। अन्य संभावित कारणों में पायलट का अनुभव, विमान की रखरखाव स्थिति या ऑपरेटर द्वारा जल्दबाजी में उड़ान भरने का दबाव शामिल हो सकता है। एएआईबी जांच में उपलब्ध उपकरणों की जांच करेगा (हेलीकॉप्टर में आमतौर पर ब्लैक बॉक्स नहीं होता), पायलट का उड़ान इतिहास, रखरखाव रिकॉर्ड और चारधाम संबंधी डीजीसीए नियमों का अनुपालन देखा जाएगा।

जांच में दोषी कौन साबित होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं। एएआईबी का उद्देश्य दोषारोपण नहीं, बल्कि कारण पता कर भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। फिर भी व्यावहारिक रूप से पायलट की निर्णय लेने की गलती, ऑपरेटर की नियामकीय लापरवाही या दोनों सामने आ सकते हैं। फ़िलहाल उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने ट्रांस भारत एविएशन के पूरे बेड़े को एह

कैथल में भीषण सड़क हादसा, रजवाहे की पुलिया से टकराई कार; 3 युवकों की मौत

कैथल, (आरएनएस)। हरियाणा के कैथल जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। हादसा गांव पाई और सिसमार के बीच रात करीब 2 बजे हुआ। मृतकों की पहचान गांव करोड़ा निवासी नवदीप (19), प्रदीप (27) और अजय (22) के रूप में हुई है। तीनों युवक एक ही गांव के रहने वाले थे।

जानकारी के अनुसार, तीनों युवक कार में सवार होकर गांव करोड़ा से कैथल शहर की ओर जा रहे थे। जब उनकी कार गांव सिसमार के नजदीक पहुंची तो अचानक अनियंत्रित होकर रजवाहे की पुलिया से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही तितरम थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृतकों के परिजनों को सूचित किया। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। आज शवों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

फिलहाल हादसे के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कार की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और कार पुलिया से टकरा गई। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। तितरम थाना प्रभारी वेदपाल ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। तीनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवाए गए हैं। पुलिस अब परिजनों के बयान दर्ज करेगी और उनके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेसवे पर बस में लगी आग, 40 यात्रियों की जान पर आई आफत; चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

मथुरा,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर देर रात एक चलती बस में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे के समय बस में 4 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि चालक ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

जानकारी के मुताबिक, बस दिल्ली से मध्य प्रदेश जा रही थी। रात करीब 2 बजे मथुरा के राया थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 1 1 के पास अचानक बस में आग लग गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। बस में आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, चालक ने तत्काल बस रोककर यात्रियों को बाहर निकलने में मदद की। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। राहत की बात यह रही कि सभी 4 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चालक की सूझबूझ और समय रहते दिखाई गई सतर्कता के चलते सभी यात्रियों की जान बच गई।

आईएमडी ने 20 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया, दिल्ली में हल्की धूप और मध्यम कोहरा रहने के आसार



नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का पूर्वानुमान जताया है। आने वाले दिनों में अलग-अलग क्षेत्रों में मौसम की स्थिति अलग-अलग रहने की संभावना है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को उत्तर प्रदेश और बिहार सहित लगभग 20 राज्यों में मौसम खराब रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। मौसम विभाग ने दक्षिण भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के पहाड़ी इलाकों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है। बारिश और तेज हवाओं के कारण 10 से ज्यादा राज्यों में तापमान 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

इसके अलावा, तीन राज्यों में बर्फबारी होने की संभावना है, जबकि पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में ओले गिर सकते हैं। आईएमडी ने लोगों को सतर्क रहने और स्थानीय मौसम संबंधी सलाह का पालन करने की सलाह दी है।

वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को धुंध भरी धूप और हल्का कोहरा रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में भारी बारिश की उम्मीद नहीं है, लेकिन धुंध और वायु प्रदूषण का उच्च स्तर विजिबिलिटी (दृश्यता) और बाहरी गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

धुंध और धुएं के बावजूद, नई दिल्ली में दिन के समय मौसम अपेक्षाकृत गर्म रह सकता है। अधिकतम तापमान लगभग 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जबकि सुबह और शाम के समय मौसम थोड़ा ठंडा रहेगा।

नई दिल्ली में अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 19.9 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। बारिश होने की संभावना केवल 3 प्रतिशत है।

रविवार, 15 नवंबर को मौसम थोड़ा और ठंडा हो सकता है। पूर्वानुमान के अनुसार, न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच और अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

रविवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं और सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा रहने के आसार हैं। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है।

आईएमडी ने बताया है कि देश भर में मौसम की स्थिति अलग-अलग रहेगी, कुछ इलाकों में बारिश और आंधी-तूफान देखने को मिल सकते हैं, जबकि अन्य जगहों पर तापमान में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

महासमुंद में भीषण सड़क हादसा

खड़ी ट्रक में घुसी एंबुलेंस, दो महिलाओं की मौत, तीन गंभीर

महासमुंद, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-353 पर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई है। बागबाहरा थाना क्षेत्र में मरीज को इलाज के बाद ओडिशा लेकर जा रही एंबुलेंस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

देवाशीष स्कूल के पास हुआ हादसा

मिली जानकारी के अनुसार, एंबुलेंस क्रमांक CG 04 NH 7746 मरीज को उपचार के बाद ओडिशा लेकर जा रही थी। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-353 पर देवाशीष स्कूल के पास एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क पर खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। हादसे के बाद वाहन में सवार लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस में फंसे घायलों और मृतकों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहीं, दोनों महिलाओं के शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

गंभीर घायलों को दूसरे अस्पताल किया गया रेफर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए अन्य अस्पताल में रेफर किया गया है। फिलहाल सभी घायलों का उपचार जारी है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एंबुलेंस में सवार मरीज सहित अन्य लोग ओडिशा के निवासी बताए जा रहे हैं। मृतकों और घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

गुरु गोबिंद सिंह सामाजिक भेद मिटाने के लिए आजीवन प्रतिबद्ध रहे : अमित शाह



नई दिल्ली,(आरएनएस)। गुरु गोबिंद सिंह के ज्योति ज्योत दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नमन किया। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब सामाजिक भेद मिटाने के लिए आजीवन प्रतिबद्ध रहे। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अधर्म और अन्याय के विरुद्ध शौर्य व पराक्रम के प्रतीक, सरबंसदानी गुरु गोबिंद सिंह के ज्योति ज्योत दिवस पर कोटि-कोटि नमन। सामाजिक भेद मिटाने के लिए आजीवन कटिबद्ध रहे गुरु साहिब ने खालसा पंथ की स्थापना कर सिख धर्म को सेवा के साथ-साथ रक्षा का सशक्त स्तंभ बनाया। पिता, माता और चारों पुत्रों का बलिदान देकर भी स्वधर्म और स्वसंस्कृति के पथ से न डिगकर उन्होंने त्याग और समर्पण का जो कीर्तिमान रचा, वह अद्वितीय है। मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले दशम गुरु का जीवन अनंतकाल तक हर पीढ़ी का मार्गदर्शन करता रहेगा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि धर्म, साहस, त्याग और अदम्य शौर्य के अमर प्रतीक, सिख पंथ के दसवें गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक, दशमेश पिता गुरु गोबिन्द सिंह महाराज के ज्योति-ज्योत दिवस पर उनके पावन चरणों में कोटिशः नमन। गुरु गोबिन्द सिंह का सम्पूर्ण जीवन सत्य, न्याय और धर्म की रक्षा के लिए किए गए अद्वितीय संघर्ष, असीम त्याग और सर्वोच्च बलिदान की प्रेरणादायी मिसाल है। उन्होंने अपने साहस, तप और आध्यात्मिक तेज से मानवता को अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े होने तथा राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए सर्वस्व समर्पित करने का मार्ग दिखाया। उनका अमर जीवन और महान विचार युगों-युगों तक मानवता को साहस, सेवा और धर्मनिष्ठा की प्रेरणा देते रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिखा कि महान धर्म-योद्धा, सिखों के दसवें गुरु, खालसा पंथ के संस्थापक, गुरु गोबिंद सिंह महाराज के पावन ज्योति ज्योत दिवस पर उनके चरणों में कोटि-कोटि नमन करता हूं। धर्म की रक्षा और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित उनका पराक्रमी जीवन हम सभी को सर्वदा सत्य, सेवा और त्याग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। उनके पवित्र विचार सर्वदा मानवता के शुभत्व व मंगल का पथ प्रशस्त करते रहेंगे।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लिखा कि खालसा पंथ के संस्थापक एवं सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के ज्योति जोत दिवस पर उन्हें कोटिशः नमन। उनका संपूर्ण जीवन धर्म, सत्य, न्याय और मानवीय गरिमा की रक्षा के लिए किए गए अद्वितीय संघर्ष का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपने विचारों, आध्यात्मिक चेतना और अदम्य साहस से समाज को अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े होने की प्रेरणा दी।

पत्नी के सामने कारोबारी की हत्या, बाइक सवार बदमाशों ने सिर पर किए ताबड़तोड़ वार; 1 मिनट में वारदात को दिया अंजाम



बेंगलुरु(आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शनिवार सुबह दिनदहाड़े हत्या की एक बेहद सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शहर के येलहंका न्यू टाउन इलाके में मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने एक 39 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी की उसकी पत्नी के सामने ही बेरहमी से हत्या कर दी। हमलावरों ने कारोबारी के सिर पर धारदार हथियार (चॉपर) से कई ताबड़तोड़ वार किए और महज एक मिनट के भीतर इस खौफनाक वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। मृतक की पहचान चरण गौड़ा के रूप में हुई है। पुलिस को शुरुआती जांच में जमीन और प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़े किसी पुराने विवाद के चलते हत्या किए जाने की आशंका है।

ऑफिस के बाहर घात लगाकर बैठे थे हमलावर, गाड़ी पार्क करते ही बोल दिया हमला

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार सुबह येलहंका न्यू टाउन में उस समय हुई जब चरण गौड़ा रोजाना की तरह अपनी पत्नी विमर्शनी के साथ अपने दफ्तर पहुंचे थे। दफ्तर पहुंचने पर उनकी पत्नी कार से उतरकर पहली मंजिल पर स्थित ऑफिस में चली गईं, जबकि चरण नीचे ही गाड़ी पार्क करने के लिए रुक गए और मोबाइल फोन पर किसी से बात करने लगे। इसी बीच मोटरसाइकिल पर सवार दो हमलावर वहां आ धमके, जो पहले से ही ऑफिस के बाहर एक बैंक के पास घात लगाकर बैठे थे।

जवाहर सर्किल पर मॉर्निंग वॉक के पुराने साथियों से मिले सीएम भजनलाल शर्मा, चाय-जूस के साथ साझा की पुरानी यादें

जयपुर,,(आरएनएस) । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार सुबह जवाहर सर्किल पर अपने मॉर्निंग वॉक के पुराने साथियों से मुलाकात की। दीपावली के बाद पुराने मित्रों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री ने उनके साथ चाय और जूस पीते हुए पुरानी यादें ताजा कीं और सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि जवाहर सर्किल से उनका पुराना जुड़ाव रहा है। पहले वे नियमित रूप से यहां मॉर्निंग वॉक के लिए आया करते थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेशवासियों से सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जन उपयोग के स्थानों पर गंदगी और अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि कहीं आसपास गंदगी दिखाई देती है तो प्रशासन को इसकी सूचना देकर सफाई करवाने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि राजस्थान ऐसा प्रदेश बने, जहां किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। राजस्थान में पंचायत राज चुनाव के चौथे और अंतिम चरण का मतदान जारी है। प्रदेश के 25 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समितियों के लिए मतदान हो रहा है।

इस बार पंजाब में चुटकुलों वाली नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की विकास वाली सरकार बनाएंगे : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ,(आरएनएस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फरवरी में होने वाले पंजाब के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां के नशा कारोबारी या तो यह काम छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे। पंजाब और हरियाणा में नशे के सौदागर नहीं रहने दिए जाएंगे। पंजाब के लोगों ने मन बना लिया है कि इस बार पंजाब में चुटकुलों वाली नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की विकास वाली सरकार बनाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात शुक्रवार को पंजाब के जालंधर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि छह महीने में नशा खत्म कर दिया जाएगा लेकिन यहां हर दिन नशे की दलदल बढ़ती गई जिसमें यहां की युवा पीढ़ी धंसती चली गई लेकिन सरकार के पास नशा खत्म करने के लिए न तो कोई नीति है और न ही नीयत है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 2029 तक देश से नशे को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है जिसे पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत नीति बनाई जा रही है। इस प्रकार के बड़े संकल्पों को केवल भाजपा सरकार ही पूरा कर सकती है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस केवल झूठे वादों के सहारे वोट लेना ही जानती हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पिछले चुनाव में वादा किया था कि पंजाब के 25 लाख युवाओं को नौकरी देंगे लेकिन आज मुख्यमंत्री टेलीविजन पर गर्व से बताते हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल में 60 हजार नौकरियां दी हैं। यह नौकरियां भी प्रभावशाली लोगों के बच्चों को भ्रष्टाचार के सहारे मिली है जिससे मेहनती व गरीब युवाओं के सपनों को सरकार ने रौंद दिया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री बताएं कि उन्होंने पंजाब में कितने मौहल्ला क्लीनिक खोले, इनमें कितने लोगों का मुफ्त इलाज हुआ और लोगों को यहां क्या-क्या सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा की 3 करोड़ आबादी में से डेढ़ करोड़ लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाए गए हैं जिन्हें हर साल 5 लाख रुपये के मुफ्त इलाज की सुविधा है। इसके तहत अब तक 40 लाख लोगों ने मुफ्त इलाज करवाया है जिस पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 6000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में चुनाव से पहले भाजपा ने महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया था जिसे सरकार बनते ही दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना बनाकर पूरा किया गया। सरकार ने अपने पहले ही बजट में इसके लिए 5000 करोड़ रुपये तथा दूसरे बजट में 6500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। अब तक इसके तहत 10 लाख से अधिक महिलाओं को 2500 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने 5 साल पहले महिलाओं को 1000 रुपये देने का वादा किया था जिसे अब चुनाव सिर पर आने के समय वोट लेने की नीयत से लागू किया गया है।

महादेव ऑनलाइन सट्टा मामला : सीबीआई की 6 राज्यों में बड़ी कार्रवाई, 33 ठिकानों पर छापेमारी; डिजिटल डिवाइस और मोबाइल फोन जब्त

नई दिल्ली, (आरएनएस)। महादेव ऑनलाइन बुक सट्टा ऐप मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने शिकंजा कसते हुए देश के 6 राज्यों में 33 ठिकानों पर छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई ऐप के पैनल ऑपरेटरों के ठिकानों पर की। छापेमारी के दौरान कई डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन और अहम दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सीबीआई के मुताबिक, इस कार्रवाई में सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के दौरान सामने आई जानकारियों की अहम भूमिका रही है। CBI ने महादेव ऑनलाइन बुक के अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क के खिलाफ पिछले कुछ दिनों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। जांच एजेंसी की टीमें अमृतसर, दिल्ली, नागौर, धौलपुर, भोपाल, रायपुर, दुर्ग, इंदौर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, मुंबई और नागपुर समेत कई शहरों में पहुंचीं। ये छापे ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़े पैनल ऑपरेटरों के ठिकानों पर मारे गए। जांच एजेंसी के अनुसार, मुख्य आरोपी और ऐप के प्रमुख प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत प्रत्यर्पित किए जाने के बाद पूछताछ की गई थी। इसी दौरान मिली जानकारियों के आधार पर अलग-अलग राज्यों में यह कार्रवाई की गई।

छापेमारी में मिले सट्टेबाजी के लाइव पैनल, कई उपकरण जब्त

सीबीआई की तलाशी के दौरान कुछ ठिकानों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के लाइव पैनल संचालित होते मिले। जांच एजेंसी ने इन पैनलों को बंद करा दिया है। इसके अलावा मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस और कई



महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं।

शुरुआती जांच में ऐसे सबूत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि सट्टेबाजी के पैसों के लेन-देन में म्यूल बैंक खातों और हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल किया जा रहा था। म्यूल अकाउंट ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिनका उपयोग किसी दूसरे व्यक्ति या अवैध गतिविधि के लिए किया जाता है।

सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में सामने आया नेटवर्क

CBI ने सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद 1 नवंबर 2026 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद रायपुर की विशेष CBI अदालत ने उसे 8 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा था।

पूछताछ के दौरान चंद्राकर ने कथित तौर पर बताया कि महादेव ऑनलाइन बुक प्लेटफॉर्म किस तरह संचालित होता है और भारत में इसके पैनल ऑपरेटरों का नेटवर्क कैसे काम करता है। जांच एजेंसी ने उससे बरामद दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर भी सवाल-जवाब किए।

सीबीआई ने दर्ज की हैं दो एफआईआर

छत्तीसगढ़ सरकार से मामला मिलने के बाद सीबीआई ने महादेव ऑनलाइन बुक सट्टा ऐप मामले में दो एफआईआर दर्ज की थीं। अब तक की जांच के अनुसार, इस प्लेटफॉर्म का संचालन विदेश में स्थित एक कथित मुख्य कार्यालय के जरिए किया जाता था। भारत में पैनल ऑपरेटरों का नेटवर्क ग्राहकों की आईडी संभालता था और सट्टेबाजी से जुड़ी रकम जमा कराने के लिए दूसरे लोगों के नाम पर खोले गए या किराए पर लिए गए बैंक खातों का इस्तेमाल करता था। इसके बाद कथित तौर पर हवाला के जरिए मुनाफे की रकम विदेश भेजी जाती थी।

19 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया आरोपी

पुलिस हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद 12 नवंबर 2026 को सौरभ चंद्राकर को रायपुर की विशेष CBI अदालत में पेश किया गया।

अमेरिका में तीसरी बार देशव्यापी उड़ानों पर लगा ब्रेक, 2001 और 2023 में भी थमी थीं हवाई सेवाएं

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। अमेरिका के एयरस्पेस में शुक्रवार दोपहर अचानक ऊहापोह की स्थिति बन गई। तुरंत उड़ानों पर रोक लगाई गई और कारण की जांच शुरू कर दी गई। वैसे ये कोई पहली बार नहीं है जो ऐसा कुछ हुआ हो; इससे पहले दो बार अमेरिका ये झेल चुका है। 13 नंवबर 2026 (स्थानीय समयानुसार) फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने देश में सभी घरेलू उड़ानों के टेकऑफ पर रोक लगाई बाद में ग्राउंड स्टॉप को लिफ्ट किया गया। इससे पहले दो बार ऐसी स्थिति बन चुकी है। पहली बार 11 सितंबर 2001 को आतंकवादी हमलों के बाद और दूसरी बार जनवरी 2023 में तकनीकी खराबी के कारण देशभर में उड़ानों को रोकना पड़ा था। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकी हमलों के बाद देश के विमानन इतिहास का सबसे असाधारण फैसला लिया गया था। न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन पर विमानों के जरिए किए गए हमलों के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने देशभर में उड़ानों को रोकने का आदेश दिया था। उस दौरान विमानों को सुरक्षित उतारने और हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कदम उठाए गए थे।

दूसरी बार 11 जनवरी 2023 को एफएए के नोटिस टू एयर मिशन (नोटम) सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण देशभर में घरेलू उड़ानों के टेकऑफ पर रोक लगाई गई थी। इस सिस्टम के जरिए पायलटों को उड़ान से जुड़ी जरूरी सूचनाएं दी जाती हैं। सिस्टम में आई खराबी के कारण पायलटों को आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने में दिक्कत हुई थी। इसके बाद एफएए ने एहतियातन सभी घरेलू उड़ानों को रोक दिया था। यह रोक करीब 90 मिनट तक रही थी। इसके कारण हजारों उड़ानें प्रभावित हुई थीं।

हूती ने सऊदी हवाई अड्डे और तेल पाइपलाइन पर हमलों का दावा किया

सना (आरएनएस)। यमन के हूती समूह ने कहा है कि उसने सऊदी अरब में एक प्रमुख हवाई अड्डे और तेल क्षेत्रों पर नए ड्रोन हमले किए हैं। हूती-संचालित अल-मसीराह टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इसके साथ ही यमन और दक्षिणी सऊदी अरब में सऊदी-समर्थित सैन्य ठिकानों पर भी कई हमले किए गए हैं। शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को आई एक रिपोर्ट में हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया के हवाले से कहा गया है कि एक ड्रोन ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया, जबकि दो अन्य ड्रोन ने शहर के पूर्व में ईस्ट-वेस्ट ऑयल पाइपलाइन के पास स्थित पंपिंग स्टेशन नंबर 3 पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि दोनों अभियानों में अपने लक्ष्य हासिल कर लिए गए हैं।

एक अन्य रिपोर्ट में, सरिया ने बताया कि दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी जाजान क्षेत्र के अल-तुवाल इलाके में सऊदी बलों के जमावड़े को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि इसमें दर्जनों सैनिक मारे गए या घायल हुए, जिनमें सूडानी नागरिक भी शामिल हैं।

उन्होंने आगे बताया कि बैलिस्टिक मिसाइलों से उत्तरी यमन के पूर्वी अल-जौफ प्रांत में, और दक्षिणी लाहज प्रांत के खराज तथा खोर उमैराह इलाकों में सऊदी-समर्थित सैनिकों के जमावड़ों को निशाना बनाया गया। दावा किया कि मिसाइलों का निशाना सटीक था, जिससे काफी नुकसान हुआ और कई लोग हताहत हुए।

शी और पुतिन से परमाणु हथियारों में कटौती पर बात करना चाहते हैं ट्रंप

वाशिंगटन (आरएनएस) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते प्रस्तावित एशिया यात्रा के दौरान चीनी और रूसी समकक्षों के साथ परमाणु हथियारों में कटौती पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों को इस त्रिपक्षीय बैठक से किसी समझौते के निकलने की उम्मीद नहीं है। व्हाइट हाउस की सहायक प्रेस सचिव ओलिविया वेल्स ने फिलीपींस और चीन की प्रस्तावित यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चीन की यात्रा के समापन पर यह बैठक होगी। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इस बातचीत का मकसद तुरंत कोई समझौता करना नहीं है, बल्कि यह परमाणु हथियारों के जखीरे को कम करने की दिशा में एक शुरुआती चर्चा है।

नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, हमें किसी तरह के समझौते की उम्मीद नहीं है।

अधिकारी के अनुसार, ट्रंप की योजना चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में ईरान के मुद्दे पर चर्चा करने की है, लेकिन यूक्रेन के इस एजेंडे में शामिल होने की संभावना नहीं है। यूक्रेन को लेकर रूस के साथ बातचीत अलग से चल रही है।

अधिकारी ने आगे बताया कि ट्रंप और पुतिन के बीच कोई द्विपक्षीय बैठक तय नहीं है, हालांकि वे अन्य कार्यक्रमों में एक साथ मौजूद रहेंगे।



परमाणु हथियारों पर यह चर्चा ट्रंप के उस दौरे का हिस्सा है, जिसमें क्षेत्रीय कूटनीति के साथ-साथ मौजूदा व्यापार समझौतों को लागू करने के प्रयास भी शामिल हैं। वेल्स ने बताया कि ट्रंप सोमवार सुबह वाशिंगटन से रवाना होंगे और स्थानीय समयानुसार मंगलवार शाम मनीला पहुंचेंगे।

फिलीपींस में, उनके क्वाड नेताओं से मिलने, थाईलैंड के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने और यूएस-आसियान विशेष शिखर सम्मेलन में भाग लेने का कार्यक्रम है। बुधवार के लिए एक राजकीय स्वागत समारोह, फिलीपींस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक और एक भोज (बैंक्वेट) की योजना है।

इसके बाद ट्रम्प एपेक नेताओं के रात्रिभोज के लिए शेन्जेन जाएंगे। वेल्स ने बताया कि गुरुवार को एपेक नेताओं के साथ बैठकें होंगी, और शी जिनपिंग के साथ एक द्विपक्षीय बैठक तथा वर्किंग लंच का कार्यक्रम तय है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर, चीन के साथ चर्चा का मुख्य जोर नए टैरिफ समझौते की घोषणा करने के बजाय मौजूदा समझौतों को लागू करने पर होगा।

अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और ट्रेजरी विभाग के अधिकारियों ने उसी दिन बोर्ड ऑफ ट्रेड के माध्यम से अपने चीनी समकक्षों के साथ मुलाकात की थी। उनकी बातचीत में टैरिफ में संभावित बदलावों और उन गैर-टैरिफ बाधाओं पर चर्चा हुई, जो किसी समझौते के महत्व को कम कर सकती हैं।

अधिकारी ने कहा कि रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) और उनसे जुड़े उत्पादों की चीन से होने वाली आपूर्ति की गति और मात्रा से वाशिंगटन अभी भी असंतुष्ट है। इसी चिंता के कारण बुसान समझौते को छह महीने के बजाय केवल दो महीने का विस्तार दिया गया।अधिकारी ने बताया कि ट्रंप, शी (जिनपिंग) के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं।

यूएस एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए 50 अरब डॉलर की जरूरत : मंत्री डफी

अमेरिका (आरएनएस)। अमेरिका में देशव्यापी हवाई सेवा ठप होने का असर हजारों यात्रियों पर पड़ा। इसके बाद परिवहन मंत्री शॉन डफी ने हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए कांग्रेस से 50 अरब डॉलर की अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की है। डफी ने देर रात आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में कहा, हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों में इस्तेमाल हो रहे पुराने संचार उपकरणों पर अत्यधिक दबाव पड़ने के कारण रडार और संचार संबंधी आंकड़ों में गड़बड़ी पैदा हुई। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट नहीं किया है कि तकनीकी खराबी की असल वजह क्या रही। शुक्रवार शाम को देशव्यापी उड़ान रोक हटा ली गई, लेकिन डफी ने आगाह किया कि उड़ान सेवाएं तत्काल सामान्य नहीं हो पाएंगी। एयरलाइंस को यह देखना होगा कि विमानों के संचालन के लिए पायलट और केबिन क्रू उपलब्ध हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अगले दिन तक इंतजार करना पड़ सकता है।

अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के कमांड सेंटर ने शुक्रवार रात 8:19 बजे (स्थानीय समय) देशव्यापी उड़ान रोक समाप्त करने का नोटिस जारी किया।

डफी के मुताबिक, यह व्यवधान दोपहर करीब 3:36 बजे शुरू हुआ, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटरों और टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल (ट्रैकॉन) सुविधाओं में रडार तथा संचार प्रणाली अस्थिर हो गई।

होर्मुज में 2 तेल टैंकरों में भीषण धमाके, लगी आग; ईरान का दावा-बारूदी सुरंगों से टकराए जहाज



तेहरान (आरएनएस),। ईरान और ओमान के बीच स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में दो तेल टैंकरों में जोरदार धमाके होने के बाद आग लग गई। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नेवी (IRGC) ने दावा किया है कि दोनों टैंकर समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगों से टकरा गए थे। ईरान के सरकारी टीवी ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नेवी के मुताबिक, दो तेल टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान दोनों जहाज समुद्र में बिछी बारूदी सुरंगों की चपेट में आ गए। टक्कर के बाद टैंकरों में जोरदार धमाके हुए और आग लग गई।ईरान के सरकारी टीवी के अनुसार, दोनों टैंकरों ने इस समुद्री मार्ग से गुजरने के लिए ईरानी अधिकारियों के साथ आवश्यक तालमेल नहीं किया था। इन्हीं को दोनों जहाजों के बारूदी सुरंगों की चपेट में आने की वजह बताया है। हालांकि, फिलहाल इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ईरान और ओमान के बीच स्थित एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचाई जाती है। इस समुद्री मार्ग की चौड़ाई कुछ स्थानों पर काफी कम है, लेकिन इसके बावजूद दुनिया के तेल कारोबार का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। ऐसे में यहां जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से वैश्विक तेल आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों पर असर पड़ सकता है।फिलहाल, दोनों तेल टैंकरों के बारूदी सुरंगों से टकराने की जानकारी ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नेवी की ओर से दी गई है। ईरान के सरकारी टीवी ने भी इसी दावे को प्रसारित किया है।

मनोरंजन

जूही चावला : कयामत से कयामत तक से मिली बड़ी पहचान, जिनके इश्क ने फैंस को बनाया दीवाना मस्ताना



जब बात सादगी, बेमिसाल खूबसूरती और खिलखिलाती हंसी की होती है, तो भारतीय सिनेमा में सिर्फ एक ही नाम जहन में आता है। 1984 में मिस इंडिया का ताज पहनने से लेकर कयामत से कयामत तक के जरिए करोड़ों दिलों की धड़कन बनने तक, उन्होंने हर किरदार में जान फूंकी है। यह बात हो रही है, अपनी लाजवाब कॉमिक टाइमिंग और संजीदा अभिनय से 90 के दशक पर राज करने वाली अभिनेत्री जूही चावला की। 13 नवंबर 1967 को हरियाणा के अंबाला में जन्मी जूही चावला ने अपनी पढ़ाई मुंबई में की। पिता चाहते थे कि जूही चावला बहुत पढ़े और आईएएस बने या एमबीए करे। मां की इच्छा थी कि जूही मार्केटिंग सेक्टर में करियर बनाए। मगर स्कूल के बाद कॉलेज में पढ़ाई करते हुए ही उनकी जिंदगी में ऐसे चमत्कार हुए, जिसने उन्हें पहले मिस इंडिया और फिर एक बेहतरीन अभिनेत्री बना दिया। जूही चावला ने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरी यह कोशिश रही कि मैं जो भी काम करूं, वो थोड़ा अच्छा करूं। इसकी शुरुआत स्कूल में हुई। मेरे बड़े भाई थोड़े मस्तीखोर थे और मां उन्हें बहुत डांटती थीं। मां की डांट का असर भाई पर तो नहीं हुआ, लेकिन मैंने उसे गंभीरता से लिया। इसी का नतीजा था कि मैं स्कूल में अच्छी छात्रा बनी। जब भी परीक्षा होती थी तो पहले पढ़ाई करके जाती थी।

फिल्मों में आने से पहले मिस इंडिया बनने की भी उनकी कहानी दिलचस्प है। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं शायद इस बारे में नहीं सोच रही थी। कॉलेज के समय में एक कॉन्टेस्ट हुआ था, जिसमें मैंने हिस्सा लिया था। उसमें मैं अव्वल आई। उसी समय कॉलेजों में मिस इंडिया के लिए फॉर्म भरे जा रहे थे। इसमें मेरी कुछ दोस्त हिस्सा लेना चाह रही थीं और उन्हीं को देखते हुए मैंने भी हिस्सा लिया। मैंने अपनी दोस्तों को देखकर सोचा था कि अगर ये कर सकती हैं तो मैं भी कर सकती हूं।

इसी मस्ती-मस्ती में एक चमकता हुआ सितारा मिल गया था और जूही चावला मिस इंडिया बन गईं। जूही चावला ने कहा, मिस इंडिया बनने के बाद जिंदगी बदल चुकी थी। मैं बहुत खुश थी, लेकिन यह भरोसा नहीं हो रहा था कि मेरे साथ यह क्या हुआ है। मैं सोच रही थी कि उस समय भगवान ने कुछ तो चमत्कार किया।

फिल्मों में जब जूही चावला को मौका मिला तो उन्होंने 1986 की फिल्म सल्तनत से शुरुआत की। फिल्म करते समय वे शूटिंग के दौरान सेट पर नर्वस रहती थीं। इंटरव्यू में जूही चावला ने बताया था, मैं सल्तनत फिल्म की शूटिंग के समय, जिसमें बड़े कलाकार थे, कांपती थी।

सल्तनत के बाद जूही को एक के बाद एक फिल्में मिलने लगी थीं। फिल्म इंडस्ट्री से उनका और उनके परिवार को कोई पहले रिश्ता नहीं था। इसके बावजूद उन्हें फिल्मों से, यहां तक कि टेलीविजन से ऑफर मिलने लगे थे। उन्होंने वी. रविचंद्रन की फिल्म प्रेम लोक में काम किया था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था।

फिल्म कयामत से कयामत तक में रोल मिला तो टेलीविजन सीरियल्स से जूही चावला दूरी बनाकर आगे बढ़ गईं। इसका श्रेय उन्होंने बीआर चोपड़ा को दिया। साल 1988 की फिल्म कयामत से कयामत तक से आमिर खान भी अपनी शुरुआत कर रहे थे। दोनों की शुरुआत ऐसी चली कि उनकी यह जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर सिर चढ़कर बोलने लगी थी।

माधुरी दीक्षित या श्रीदेवी जैसी अभिनेत्रियों के दौर में भी जूही ने अपनी छवि, खूबसूरत मुस्कान और शानदार कॉमिक टाइमिंग से अलग पहचान बनाई। उन्होंने बोल राधा बोल और हम हैं राही प्यार के जैसी फिल्मों में जबरदस्त कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीता। उनके करियर की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने अन्य अभिनेत्रियों के मुकाबले बोल्ड या टिपिकल ग्लैमरस दिखने की होड़ से खुद को अलग रखा।

अर्धहलासनः पेट की चर्बी और कब्ज से चाहिए छुटकारा, तो रोज करें ये आसान योगासन



अर्धहलासन योगासन का एक प्रमुख आसन है, जो शरीर को कई तरह के लाभ पहुंचाता है। यह आसन पेट की मांसपेशियों, पीठ के निचले हिस्से (लंबर रीजन) और पैरों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। अर्ध का मतलब होता है आधा और हल का मतलब होता है- खेत जोतने वाला यंत्र। इस आसन में शरीर की स्थिति हल की तरह दिखाई देती है, इसलिए इसे अर्धहलासन कहा जाता है। शुरुआती लोगों के लिए भी यह आसन काफी आसान है, इसलिए योग की शुरुआत करने वाले लोग इसे आसानी से अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्धहलासन एक सुपाइन (पीठ के बल लेटकर किया जाने वाला) योगासन है। इसे नियमित रूप से करने से बिना अधिक दबाव के पेट की चर्बी कम होती है, पाचन शक्ति बढ़ती है और उदर क्षेत्र के अंगों की कार्यप्रणाली में सुधार होता है।

अर्धहलासन, हलासन का ही एक सरल और सुलभ रूप है, जिसे शुरुआती अभ्यासियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। जहां पूर्ण हलासन में पैरों को सिर के पीछे जमीन पर लगाना होता है, वहीं अर्धहलासन में पैरों को जमीन से 30, 60 या 90 डिग्री के कोण पर रोककर रखा जाता है।

यह आसन खासतौर पर पेट, कमर और पैरों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। इसे रोज सुबह खाली पेट करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है, पेट की चर्बी कम होती है और शरीर में नई ऊर्जा आती है।

यह आसन पेट की मांसपेशियों, पीठ के निचले हिस्से (लंबर रीजन) और पैरों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इसे नियमित रूप से करने से बिना अधिक दबाव के पेट की चर्बी कम होती है, पाचन शक्ति बढ़ती है और उदर क्षेत्र के अंगों की कार्यप्रणाली में सुधार होता है। शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ यह मानसिक शांति और एकाग्रता को भी बढ़ावा देता है, जिससे आधुनिक जीवनशैली में होने वाली थकान और सुस्ती दूर होती है।

जिन लोगों को कमर के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत है, उन्हें दोनों पैरों को एक साथ नहीं उठाना चाहिए। वे बारी-बारी से एक-एक पैर उठाकर इसका अभ्यास कर सकते हैं। पेट में किसी प्रकार की चोट, सर्जरी या हर्निया की स्थिति में इस आसन को बिल्कुल न करें।

कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा- आठ साल तक नहीं पी एक बूंद

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी...

करियर की शुरुआत में डबल रोल निभाने में क्या आई चुनौती, शनाया कपूर ने बताया



अभिनेत्री शनाया कपूर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क सीरीज में अपने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की चुनौतियों के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी एक्टिंग की क्षमताओं को और बेहतर ढंग से परखने का मौका दिया, जबकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया ने सोशल मीडिया पर फिल्म निर्माता करण जौहर को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें डबल रोल निभाने का मौका दिया, जिससे उन्हें अपनी एक्टिंग के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का अवसर मिला। अभिनेत्री ने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार जताया, जिन्होंने उन्हें अपने क्रिएटिव सुझाव साझा करने की पूरी छूट दी।

शनाया ने उन मुश्किल एक्शन और अंडरवॉटर सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन बहुत कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के भरोसे और समर्थन ने उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की।सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स (पर्दे के पीछे की) तस्वीरें साझा करते हुए आंखों की गुस्ताखियां फेम अभिनेत्री ने लिखा, यह शो मेरे लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। मैं करण जौहर को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका दिया। मेरे करियर की शुरुआत में ही मुझे डबल रोल निभाने का अवसर मिला, जिससे मैं एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी रेंज दिखा सकी। मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। उम्मीद है कि मैं आपको गौरवान्वित कर पाऊंगी।

गांव, गरीब, किसान, मजदूर, माताओं-बहनों और युवाओं का सर्वांगीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री श्री साय

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक होगी खरीदी

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुंगेली जिले के ग्राम कंतेली में आयोजित भव्य कार्यक्रम में जिलेवासियों को 465 करोड़ 40 लाख रुपए से अधिक की लागत के 77 विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने इनमें 68 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पूर्ण हुए 24 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 397 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 53 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इन कार्यों से जिले में सड़क, सिंचाई, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों की खुशहाली, किसानों की समृद्धि और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना राज्य सरकार का प्रमुख संकल्प है। विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब वहां के गांव मजबूत हों, किसानों को बेहतर संसाधन मिलें, युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ें तथा आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं सहजता से उपलब्ध हों। मुंगेली जिले में आज जिन विकास कार्यों की सौगात दी गई है, वे इसी सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।



सड़क, सिंचाई और पेयजल सुविधाओं के विस्तार से विकास को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुंगेली जिले में अधोसंरचना विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। आज लगभग 143 करोड़ रुपए की लागत के 25 सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इन कार्यों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम होगा तथा किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधाएं मिलेंगी। अच्छी सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के नए अवसरों का रास्ता भी खोलती हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत 203 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन किया गया है। इससे क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और नागरिकों को बेहतर जल सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही जल संसाधन विभाग के 40 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 11 कार्यों का लोकार्पण किया गया है। इन कार्यों से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और किसानों को कृषि उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सिंचाई संसाधनों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से किसानों की वर्षा पर निर्भरता कम होगी और उन्हें खरीफ के साथ रबी एवं अन्य फसलों की खेती के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इससे फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन मिलने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

छत्तीसगढ़ के 10 डिजिटल क्रिएटर्स ने एकतानगर में देखा भारत पर्व 2026, स्टैच्यू आफयूनिटी और रेन फारेस्ट का भी किया भ्रमण

रायपुर,(आरएनएस)। देश की सांस्कृतिक पहचान, पर्यटन की संभावनाओं और समृद्ध विरासत को डिजिटल माध्यमों से व्यापक पहचान दिलाने के उद्देश्य से पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ के 10 डिजिटल क्रिएटर्स का दल गुजरात के एकतानगर (केवड़िया) के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचा है। यह दल यहां आयोजित भारत पर्व 2026 में सहभागिता कर रहा है। इस मीडिया आउटरीच दौरे के माध्यम से डिजिटल क्रिएटर्स को भारत की सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय एकता, पर्यटन स्थलों और विकास की उपलब्धियों को करीब से जानने तथा अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए आमजन तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है।

दौरे के दौरान दल ने विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू आफ यूनिटी और रेन फारेस्ट का भ्रमण किया। इसके बाद क्रिएटर्स ने पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत पर्व 2026 के आयोजन स्थल का दौरा किया। पर्यटन मंत्रालय की सहायक निदेशक मंजिरी कमलापुरकर ने दल का स्वागत किया और भारत पर्व में आयोजित विभिा गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा प्रदर्शनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

भारत पर्व परिसर में देश के विभिा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, खानपान, पर्यटन स्थलों और स्थानीय विशेषताओं को प्रदर्शित करने के लिए आकर्षक स्टाल लगाए गए हैं। डिजिटल क्रिएटर्स ने इन स्टालों का भ्रमण कर विभिा राज्यों की सांस्कृतिक विरासत और विशिष्टताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने राज्यों की पारंपरिक कलाओं, लोक संस्कृति, पर्यटन आकर्षणों और स्थानीय परंपराओं को करीब से देखा तथा उनके प्रतिनिधियों से संवाद भी किया।

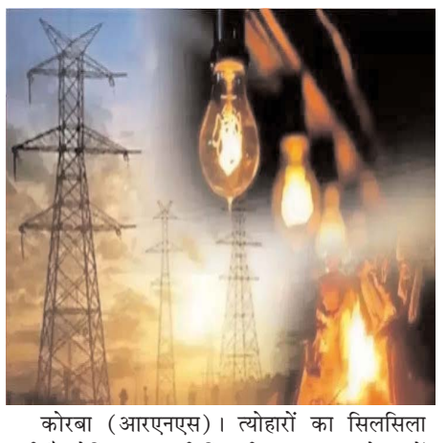
केंद्र सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध : केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले

रायपुर, (आरएनएस)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि केंद्र सरकार समाज के सभी वर्गों के समान विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दलितों, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर कार्य किया जा रहा है।

रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए आठवले ने कहा कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ समावेशी विकास को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर उनका आसीन होना आदिवासी समाज की भागीदारी और सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में देश के बुनियादी ढांचे में व्यापक विस्तार हुआ है। सड़क और हवाई संपर्क सुविधाओं का विकास किया गया है। गरीब परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने वाली योजनाओं से करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। केंद्रीय मंत्री आठवले ने कहा कि भारत तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी स्थिति मजबूत बना रहा है।

त्योहारों के दौरान बिजली की आंखमिचैली से नगरवासी परेशान



कोरबा (आरएनएस)। त्योहारों का सिलसिला जारी है, लेकिन शहर की बिजली व्यवस्था उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा रही है। शहर के कई इलाकों में बार-बार बिजली गुल होने और ट्रिपिंग की समस्या ने लोगों को हलाकान कर दिया। पाड़ीमार और तुलसी नगर जोन के प्रभावित क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति नहीं होने से त्योहार की तैयारियों और घरेलू कामकाज पर असर पड़ा। अब छठ, देवउठनी एकादशी, गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व और क्रिसमस जैसे आयोजन सामने हैं, ऐसे में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठने लगी है। पाड़ीमार जोन के राजेन्द्र प्रसाद नगर फेस-1 में बिजली की आंखमिचैली से उपभोक्ता विशेष रूप से परेशान हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस क्षेत्र के करीब 600 घरों में बिजली आपूर्ति की समस्या बनी रहती है। दशहरा मैदान के पास स्थापित ट्रांसफार्मर से यहां बिजली पहुंचाई जाती है। बिजली का भार कम करने के उद्देश्य से सीएसईबी कॉलोनी परिसर में नया बिजली उपकेंद्र भी बनाया गया है, लेकिन इसके बावजूद राजेन्द्र प्रसाद नगर फेस-1 की आपूर्ति व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। इसी तरह टीपी नगर में गायत्री मंदिर के आसपास बुधवार दोपहर एक घंटे से अधिक समय तक बिजली गुल रही। देर शाम भी बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। बार-बार बिजली आने-जाने से घरेलू उपकरणों के संचालन में भी दिक्कत हुई। भाई दूज के साथ दीपोत्सव का समापन जरूर हो गया है, लेकिन छठ महापर्व, देवउठनी एकादशी और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर धार्मिक आयोजन होंगे। इसके बाद क्रिसमस और नए साल का उत्सव भी मनाया जाएगा। ऐसे में उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग से मांग की है कि त्योहारों के दौरान बार-बार होने वाली ट्रिपिंग और अघोषित कटौती पर रोक लगाकर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

लग्जरी स्लीपर बसें पाली नगर के यात्रियों के लिए बन रही मुसीबत, बसों की मनमानी पर कार्रवाई की मांग

कोरबा, (आरएनएस)। रायपुर से अम्बिकापुर के मध्य चलने वाली रात्रिकालीन लग्जरी स्लीपर बसें पाली नगर के यात्रियों के लिए मुसीबत बन गई हैं। ये बसें नगर के भीतर से होकर गुजरने की बजाय बाईपास नेशनल हाईवे से सरपट दौड़ते हुए निकल जाती हैं, जिससे रात में सफर करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिलासपुर से कोरबा और कोरबा से बिलासपुर के बीच चलने वाली आखिरी लोकल बस का समय शाम 6 बजे है, जो लगभग रात 8 बजे तक पाली पहुंचती है। इसके बाद इस रूट पर कोई नियमित बस सेवा नहीं है। रात 9 बजे तक एक- दो स्लीपर बसें यदा- कदा नगर के अंदर से होकर गुजर भी जाती हैं, लेकिन उसके बाद चलने वाली सभी स्लीपर बसें नगर में प्रवेश ही नहीं करतीं। ऐसे में यदि किसी यात्री को रात 9 बजे के बाद पाली से बिलासपुर, रायपुर या बिलासपुर से पाली आना- जाना हो तो उसे मजबूरन नगर से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर बाईपास तक पैदल या निजी वाहन से जाना पड़ता है। रात के अंधेरे में बाईपास पर बस का इंतजार करना, खासकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए बेहद असुरक्षित है। इससे भी गंभीर शिकायत यह है कि इन रात्रिकालीन स्लीपर बसों के संचालक यात्रियों की मजबूरी का जमकर फायदा उठा रहे हैं।

भूपेश बघेल मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं : भाजपा

रायपुर (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा है कि बघेल इन दिनों 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के पुरुषार्थ व पराक्रम और प्रदेश की जनता-जनार्दन के असीम स्नेह व विश्वास ने जिस तरह भूपेश बघेल के मुख्यमंत्रित्व काल के कुशासन को 2023 में सत्ता से उखाड़ फेंका, उससे न केवल बघेल, अपितु पूरा कांग्रेस नेतृत्व सदमे और सन्निपात के दौर से गुजर रहा है। इसी हताशा में वे इस प्रकार के अनर्गल प्रलाप की नियति का शिकार हो गए हैं।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष साहू ने कहा कि आज भूपेश बघेल की न केवल छत्तीसगढ़ की राजनीति में, बल्कि स्वयं कांग्रेस पार्टी के भीतर भी कोई राजनीतिक प्रासंगिकता शेष नहीं रह गई है। वे अपनी ही पार्टी में पूरी तरह अलग-थलग पड़ गए हैं। श्रीमती साहू ने तंज कसते हुए कहा कि राजनीतिक हाशिये पर जा चुके श्री बघेल इस तरह की बयानबाजी करके केवल अपने डूबते हुए सियासी वजूद को बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर निशाना साधते हुए श्रीमती साहू ने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी की दिल्ली रैली में छत्तीसगढ़ के अधिकांश नेताओं के न पहुँचने पर प्रदेश नेतृत्व को अपने ही नेताओं को नोटिस देने का मन बनाना पड़ रहा हो, उस बिखरी हुई पार्टी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। ऐसे हालात में कांग्रेस के 'वन-वे लीडर' बन चुके भूपेश बघेल यदि भाजपा के एक इनोवा कार में सिमट जाने की हास्यास्पद कल्पना करते हैं, तो उन्हें यह खुशफहमी मुबारक हो। श्रीमती साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस के पिछले कार्यकाल के भ्रष्टाचार और कुशासन को भूली नहीं है, इसलिए बघेल को मुंगेरीलाल के सपने देखने के बजाय अपनी पार्टी के भीतर बचे-खुचे जनाधार की चिंता करनी चाहिए।

खेल समाचार

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, टी20 में कप्तानी करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

इंदौर (आरएनएस)। वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को अपने छोटे से क्रिकेट करियर में एक बड़ी और खास उपलब्धि हासिल की। वे पुरुषों के टी20 इतिहास के सबसे कम उम्र के कप्तान बन गए। उन्होंने होलकर स्टेडियम में 2026-27 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में बिहार की कप्तानी करते हुए ये उपलब्धि हासिल की। वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल और 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी संभालते हुए सबसे कम उम्र में टी20 की कप्तानी करने के क्रोएशिया के जैक वुकुसिक का रिकॉर्ड तोड़ा। वुकुसिक ने 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी नेशनल टीम की कप्तानी की थी। सूर्यवंशी अब सबसे छोटे फॉर्मेट में सबसे कम उम्र में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। हालांकि, बतौर कप्तान अपना पहला मैच खेल रहे वैभव के लिए एक बल्लेबाज के रूप में यह मैच यादगार नहीं रहा। वह 12 गेंदों पर 18 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें चेतन सकारिया ने आउट किया।

हाल ही में अपना अंतरराष्ट्रीय टी20 डेब्यू करने वाले सूर्यवंशी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए बिहार का कप्तान बनाया गया है। यह उनके करियर के लिए बेहद अहम समय है। बतौर बल्लेबाज अपनी क्षमता साबित कर चुके सूर्यवंशी के पास घरेलू क्रिकेट की सबसे प्रतिष्ठित टी20 ट्रॉफी में अपनी कप्तानी क्षमता को दिखाने का मौका है।

भारत को अंडर-19 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्यवंशी ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ अपने टी20 करियर का आगाज किया था। वह 10 टी20 मैचों में 2 अर्धशतकों की मदद से 295 रन बना चुके हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में वह प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे थे।

वैभव इस टूर्नामेंट में सौराष्ट्र के बाद एक और मैच खेलेंगे। इसके बाद वह दोहा में होने वाले एसीसी राइजिंग स्टार्स इमर्जिंग टूर्नामेंट के लिए इंडिया ए में शामिल होंगे। यह कॉम्पिटिशन 19 नवंबर से शुरू होने वाला है, और 50 ओवर के फॉर्मेट में खेला जाएगा।

टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में बड़ा बदलाव, गुरनूर बरार को मिला मौका; कुलदीप यादव टीम से बाहर



नई दिल्ली (आरएनएस)। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की चयन समिति ने तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टेस्ट टीम में शामिल किया है। गुरनूर अब टेस्ट टीम के बाकी खिलाड़ियों के साथ जुड़ेंगे। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह अब भारत में जारी घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेंगे।

गुरनूर बरार के टेस्ट टीम में शामिल होने के कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ माउंट माउंगानुई में रविवार (15 नवंबर) को होने वाले पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। बीसीसीआई ने उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को वनडे टीम में शामिल नहीं किया है। गुरनूर ने भारतीय टीम के लिए अब तक 13 वनडे मुकाबले खेलते हुए 23 विकेट हासिल किए हैं। हालांकि, उन्हें अभी तक टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका नहीं मिला है।विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी वेलिंगटन में टेस्ट टीम के खिलाड़ियों के साथ जुड़ गए हैं।

अपडेटेड टीम में पंत के अलावा ध्रुव जुरेल को भी विकेटकीपर के तौर पर जगह दी गई है।भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में निर्धारित है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीमशुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अंशुल कम्बोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और गुरनूर बरार।श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर एवं उप-कप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

महिला क्रिकेटर नंदिनी ने की आत्महत्या- अंडर-19 टीम में मिली थी जगह, पिता ने दर्ज कराई शिकायत

विकाराबाद (ए.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अंडर-19 महिला क्रिकेटर तेलंगाना की 17 साल की नंदिनी ने शहर के मधु कॉलोनी में अपनी दादी के घर पर आत्महत्या कर ली। नंदिनी का हाल ही में अंडर-19 टीम में चयन हुआ था। नंदिनी के लिए इंसाफ की मांग करते हुए, उसके परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। विकाराबाद सर्कल इंस्पेक्टर रघु ने कहा कि पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे नंदिनी की मौत की जानकारी मिली और तुरंत एक टीम मौके पर भेजी गई। शुरुआती जांच से पता चला कि उसने कथित तौर पर सुसाइड किया था। सर्किल इंस्पेक्टर ने पुष्टि की है कि परिवार ने दो लोगों के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाया है। जांच के तहत, पुलिस ने नंदिनी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और उसे फोरेंसिक जांच के लिए भेज रही है।मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया है। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम किया गया, जिसके बाद शव परिवार को सौंप दिया गया।

लक्ष्य सेन कुमामोटो मास्टर्स जापान 2026 के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली (ए)। लक्ष्य सेन लगातार दूसरे बीडब्ल्यूएफ टूर टाइटल के करीब हैं। सेन ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को हराकर कुमामोटो मास्टर्स जापान 2026 के एकल फाइनल में जगह बनाई। सेन ने 70 मिनट तक चले मुकाबले में फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। यह फरहान पर सेन की पहली जीत थी। इससे पहले वे अपने दोनों मैच हार चुके थे। सेन ने शुरुआती गेम में माहौल बनाया, रैलियों में पहल की और फरहान को बैकफुट पर रखा। वह नेट पर खास तौर पर प्रभावी थे। फ्रंटकोर्ट में उनके तेज खेल ने उन्हें स्पीड तय करने और पहला गेम 21-12 से जीतने में मदद की।

फरहान ने दूसरे सेट में जवाब दिया, अपनी गति और कोर्ट कवरेज का इस्तेमाल करके सेन को खींचा और मैच को डिसाइडर तक पहुंचाया। लेकिन भारतीय खिलाड़ी जल्दबाजी में गेम नहीं खेल पाया। सेन ने अटैक करने के लिए मौके का इंतजार किया। अपने स्मैश को सही टाइम पर लगाकर आखिरी गेम 21-11 से जीत लिया। इस जीत से सेन इस महीने की शुरुआत में जर्मनी में हाइलो ओपन में टाइटल जीतने के बाद लगातार दूसरे बीडब्ल्यूएफ टूर फाइनल में पहुंच गए हैं। सेन ने 1 नवंबर को फाइनल में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था। इस जीत से नवंबर 2025 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से बीडब्ल्यूएफ टूर टाइटल का इंतजार खत्म हुआ था।

एफसी एंडोरा के गोलकीपर जीसस ओवोनो पर 12 मैचों का प्रतिबंध लगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। एफसी एंडोरा के गोलकीपर जीसस ओवोनो को स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन ने टेनेरिफ के स्ट्राइकर जीसस डी मिगुएल से टक्कर के बाद 12 मैचों के लिए निलंबित कर दिया है। टक्कर के बाद मिगुएल की मौत हो गई थी। घटना 2 नवंबर को टेनेरिफ और एंडोरा के बीच स्पेनिश सेकंड-डिवीजन मैच के दौरान हुई। डी मिगुएल मिडफील्ड में एक लंबी बॉल का पीछा कर रहे थे, तभी ओवोनो उसे क्लियर करने के लिए अपने पेनल्टी एरिया से बाहर निकले। गोलकीपर का उठा हुआ पैर फॉरवर्ड के सीने में लगा, जिससे वह पिच पर बेसुध हो गए। डी मिगुएल को कार्डियक अरेस्ट हुआ और अगले दिन उनकी मौत हो गई। वह 30 साल के थे। जीसस ओवोनो को 12 मैचों के लिए निलंबित करने का फैसला मिगुएल की मौत के 10 दिन बाद आया है। डिसिप्लिनरी कमिटी ने रॉयल स्पैनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) के कोड का आर्टिकल 102 लागू किया, जो खेल के दौरान हिंसक व्यवहार को कवर करता है जिससे गंभीर चोट लगती है। यह नियम चार से 12 मैचों तक के निलंबन की इजाजत देता है। कमिटी ने फैसला किया कि ओवोनो के चैलेंज का नेचर और उसके नतीजों के लिए ज्यादा से ज्यादा सजा देना सही है।अपनी सफाई में, कमिटी ने रेफरी की रिपोर्ट का जिक्र किया, जिसमें बताया गया था कि ओवोनो ने बॉल के लिए मुकाबला करते समय अपने पैर को उठाकर एक विरोधी की छाती पर मारा और बहुत ज्यादा जोर का लगा था।

पीटी उषा की IOA चुनावों से पहले मुश्किल बढ़ी, IHAI प्रतिनिधि के तौर पर नामांकन से विवाद

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के 5 दिसंबर के चुनावों को लेकर चल रहे विवाद ने एक और मोड़ ले लिया है। मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा के आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएचएआई) के प्रतिनिधि के तौर पर नामांकन पर आधिकारिक आपत्ति जताई गई है।पीटी उषा से आपत्ति इस बात को लेकर है कि क्या वे एक नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन का प्रतिनिधित्व करने की सांवैधानिक जरूरत को पूरा करती हैं, जिसकी कथित तौर पर वह सदस्य नहीं हैं। प्रोविजन के मुताबिक नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन (एनएसएफ) द्वारा नॉमिनेट किए गए प्रतिनिधि को संबंधित बॉडी का सदस्य होना चाहिए।यह मामला तब सामने आया जब उषा स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ आउटस्टैंडिंग मेरिट (एसओएम) चुनावों में जगह बनाने में फेल हो गई। वह विमेंस कैटेगरी में 40 वोटों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। वह अंजू बॉबी जॉर्ज (53), रानी रामपाल (50), डोला बनर्जी (45) और साइना नेहवाल (43) से पीछे रहीं।



कार्यालय सहायक संचालक उद्यान सिलारी (पिपरिया),जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

E-Mail- horti.silari@mp.gov.in दूरभाष 07576-220109

क्र./उद्यान/तक./नीलामी/2026-27/582 सिलारी, दिनांक 12/11/26

नीलामी सूचना

इस कार्यालय के अधीन शासकीय उद्यान सिलारी/रामपुर एवं खापरखेड़ा की अमरूद फलबहार वर्ष 2026-27 की नीलामी हेतु सीलबंद निविदाए दिनांक 26.11.2026 दिन गुरूवार को प्रात: 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं उसी दिन दोपहर 02:00 बजे उपस्थित व्यापारियों के समक्ष खोली जावेगी। सीलबंद निविदाओं में पर्याप्त राशि न आने पर उसी दिन खुली बोली से नीलामी की जावेगी।

फलबहार का उद्यानवार विवरण निम्नानुसार है।

क्र	उद्यान का नाम	धरोहर राशि रूपये में	फल बहार	कुल फलित पेड़ो की संख्या	स्थानका नाम जहाँ नीलामी कार्यवाही होना है।
1	शासकीय उद्यान सिलारी	15000	अमरूद	295	शासकीय उद्यान सिलारी (पिपरिया)
2	शासकीय उद्यान रामपुर	10000	अमरूद	77	
3	शासकीय उद्यान खापरखेड़ा	25000	अमरूद	468	

नीलामी की शर्ते एवं अन्य जानकारी के लिये सहायक संचालक उद्यान सिलारी के कार्यालयीन समय में दूरभाष नम्बर 8839998001/9343143945 पर सम्पर्क करें।

जी/21479/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

सहायक संचालक उद्यान सिलारी (पिपरिया)

राज्यसभा सांसद श्रीमती नारोलिया ने ग्राम पंचायत कढ़ैया में लगभग 601.06 लाख की सड़क नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया

सोहागपुर। नर्मदापुरम (निप्र)। सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कढ़ैया के ग्राम चीलाचौन में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं क्षेत्रीय विधायक विजय पाल सिंह ने सूरजकुंड-धानसी से चीलाचौन-कढ़ैया तक बनने वाले 6.50 किलोमीटर लंबे लगभग 585.56 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया गया।साथ ही ग्राम चंदला में 15वें वित्त आयोग एवं अन्य वित्तीय मदों से स्वीकृत कुल 10.50 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। इनमें ग्राम पंचायत कढ़ैया में 15वें एवं 5वें वित्त आयोग के अंतर्गत 5 लाख रुपये की लागत से चंद्रमोहन पटेल के घर से मुख्य मार्ग तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य भी शामिल है।इस मार्ग के बनने से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुगमता मिलेगी। साथ ही आसपास के गांवों के बीच संपर्क बेहतर होगा और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि



के रूप में सम्मिलित होकर सांसद श्रीमती नारोलिया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे पंच से पार्लियामेंट तक पहुंचाया है। साथ ही उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अनुरोध किया कि नशे से दूर रहें। शराब, गुटखा सहित सभी प्रकार के नशों को छोड़ दें। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभ वितरित किए गए। लाभार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल रही।इस अवसर पर विधायक विजयपाल सिंह, भाजपा जिला महामंत्री कुंवर सिंह यादव, मंडल अध्यक्ष विपिन यादव, मंडल अध्यक्ष मनीष चतुर्वेदी, मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, जिला पंचायत सदस्य उमेश यादव, जनपद उपाध्यक्ष लालचंद यादव, अजय पाल सिंह, सत्यनारायण पाराशर, कृष्ण कुमार झा, दूरसंचार सलाहकार समिति (टीएसी) सदस्य विकास नारोलिया, मुकेश यादव, मुकेश तिवारी, विकास साहू, सचिन तोमर, धर्मेंद्र जाट, सिद्धार्थ जाट, राहुल ठाकुर, योगेंद्र सोलंकी, एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह, तहसीलदार, पटवारी, सचिव सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अ.भा.कायस्थ महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. कैलाश नारायण सारंग को दी श्रद्धांजलि



नर्मदापुरम(निप्र)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत नर्मदापुरम ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, सहकारिता,खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग,राष्ट्रीय महामंत्री अजय श्रीवास्तव (नीलू), प्रांतीय अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव से प्राप्त निर्देशानुसार एवं जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव के नेतृत्व में 14 नवंबर शनिवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पथ प्रदर्शक पितृ पुरूष स्व.कैलाश नारायण सारंग की पुण्यतिथि के अवसर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव बताया कि समाज के बन्धुओं को संगठित कर, जागृत करने वाले पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व सांसद,कायस्थ शिरोमणि स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग की पुण्यतिथि सेवा दिवस के रुप में मनाई श्री सारंग की पुण्य स्मृति पर आसरा वृद्ध आश्रम में फल वितरित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई श्रद्धांजलि कार्यक्रम में महासचिव राजेश कुलश्रेष्ठ,जिला कोषाध्यक्ष अजय निगम, जिला महामंत्री अशोक श्रीवास्तव, राधेश्याम श्रीवास्तव एवं अन्य चित्रांश बंधु उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष की पहल पर चला विशेष स्वच्छता अभियान

जेसीबी और प्रेशर पंप से चकाचक हुए घाट

नर्मदापुरम(निप्र)। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव की पहल पर आगामी छठ महापर्व की तैयारियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए नगरपालिका ने मां नर्मदा के सभी प्रमुख घाटों पर युद्धस्तर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। सुबह से शाम तक चले इस अभियान में भारी मशीनरी और अतिरिक्त अमले को उतारकर बाढ़ के बाद जमा हुई कीचड़ व गाद को पूरी तरह साफ कर घाटों को चकाचक कर दिया गया है।

जेसीबी और हाई-प्रेशर पंप से धुलाई

स्वच्छता नोडल अधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जेसीबी मशीन और ट्रैक्टरों की मदद से घाटों पर जमा भारी गाद व कचरा बाहर किया गया। इसके बाद पानी के हाई-प्रेशर पंपों से घाटों की सीढ़ियों की धुलाई की गई, ताकि छठ पूजन के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।

नपाध्यक्ष ने लगवाए साउंड सिस्टम

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को देखते हुए मां नर्मदा के प्रमुख सेठानीघाट पर साउंड सिस्टम लगाया गया। उन्होंने बताया कि भजन और भक्ति के लिए यह साउंड सिस्टम लगाए गए हैं। श्रद्धालुगण उनका उपयोग कर सकेंगे।

नपाध्यक्ष ने की शहरवासियों से सहयोग की अपील

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नगरवासियों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सक्रिय सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक इधर-उधर कचरा न फेंकें, अपने घरों व दुकानों में अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखें और कचरा केवल नगरपालिका के कचरा वाहन में ही डालें। जनसहयोग से ही नर्मदापुरम् को स्वच्छता में सर्वोपरि बनाया जा सकता है।

शांतिनिकेतन में मनाया गया बाल दिवस एवं शाला का स्थापना दिवस



नर्मदापुरम(निप्र)। शांतिनिकेतन मांटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नर्मदपुरम में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस जिसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा शांतिनिकेतन स्कूल का 45 वे स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाला प्राचार्य वीवी सुब्रमण्यम द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं डॉ के एम जॉर्ज की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात शाला के शिक्षकों शिक्षिकाओं द्वारा हे जग दाता की प्रस्तुति दी गई। इसी क्रम में शाला की शिक्षिका श्रीमती रंजना लक्ष्मण द्वारा शांतिनिकेतन की स्थापना से लेकर 45 वर्षों की यात्रा में डॉ के एम जॉर्ज एवं शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज द्वारा किए गए कठिन परिश्रम और साथ ही शाला के विद्यार्थियों द्वारा शाला और नर्मदापुरम का नाम देश और विदेश में रोशन करने की परंपरा पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। इसी क्रम में शाला के विद्यार्थी मनु सिंह एवं सृष्टि सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए । इस अवसर पर शाला प्राचार्य वी वी सुब्रमण्यम ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहां की अनुशासन एवं कठिन परिश्रम ही सफलता की कुंजी है और साथ ही बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में शाला के वरिष्ठ संगीत शिक्षक अशोक सोनी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शपथ दिलाई की विद्यार्थी न केवल अपने माता-पिता ,शाला, बल्कि नर्मदापुरम नगर का नाम रोशन करने में अपना सक्रिय योगदान देंगे। शाला की चेयर पर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज ने शांतिनिकेतन परिवार की ओर से सभी बच्चों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बाल दिवस के कार्यक्रम में मंच संचालन शाला की शिक्षिका अर्पिता लक्ष्मण द्वारा किया गया।

जूनियर रेड क्रॉस के छात्रों ने रैली निकाल कर दिया नशा मुक्ति का संदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। बाल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जिला रेड क्रॉस प्रबंधन समिति एवम् जिला जूनियर रेडक्रॉस के तत्वाधान में जिला शिक्षा अधिकारी एलएन प्रजापति संभागीय जूनियर रेडक्रॉस प्रभारी विनोद मालवीय के मार्गदर्शन में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।



इस रैली में शहर के स्कूलों के करीब 500 विद्यार्थियों ने भाग लिया और शहर के नागरिकों को नशा मुक्ति से दूर रहने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में जिला जूनियर रेडक्रॉस प्रभारी महेश कुमार विश्वकर्मा जिला रेड क्रॉस कार्यालय प्रभारी शेर सिंह बड़कुर के प्रयास से आयोजित की गई जिसमे जिला रेडक्रॉस प्रबंधन समिति के सचिव डॉक्टर हर्षल कावरे , सदस्य गौरव सेठ ,एसएनजी स्कूल के प्राचार्य संदीप शुक्ला ने जूनियर रेडक्रॉस की गतिविधियो को जिले के सभी स्कूल मे संचालित करने हेतु जानकारी दी इस अवसर पर स्थानीय स्कूलों से जूनियर रेडक्रॉस संगठक एवम प्रभारी शिक्षक शिक्षिकाए जिसमे हेमंत साहू, नीता उइके प्रीति साहू ज्योति तिवारी, दीपिका बाथम, ज्योति सावले एवं शिक्षा विभाग जिला रेडक्रॉस समिति के स्टॉप शामिल हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त महेश विश्वकर्मा ने किया।



स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com